INFUSION NOTES

WHEN ONLY THE BEST WILL DO

LATEST EDITION

HINDI MEDIUM

बिहार पुलिस कांस्टेबल

CENTRAL SELECTION BOARD OF CONSTABLE

HANDWRITTEN NOTES

भाग-2 सामान्य जागरूकता (GK)

INFUSION NOTES

WHEN ONLY THE BEST WILL DO

बिहार पुलिस कांस्टेबल

CENTRAL SELECTION BOARD OF CONSTABLE

भाग – 2

सामान्य जागरूकता (GK)

प्रस्तावना

*प्रिय पाठकों, प्रस्तुत नोट्स “**बिहार पुलिस कांस्टेबल**” को एक विभिन्न अपने अपने विषयों में निपुण अध्यापकों एवं सहकर्मियों की टीम के द्वारा तैयार किया गया है / ये नोट्स पाठकों को **केंद्रीय चयन पर्षद (सिपाही भर्ती)–सेंट्रल सिलेक्शन बोर्ड ऑफ़ कांस्टेबल (CSBC)”** द्वारा आयोजित करायी जाने वाली परीक्षा “**बिहार पुलिस कांस्टेबल**” भर्ती परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगें* **/**

अंततः सतर्क प्रयासों के बावजूद नोट्स में कुछ कमियों तथा त्रुटियों के रहने की संभावना हो सकती है / अतः आप सूचि पाठकों का सुझाव सादर आमंत्रित हैं/

प्रकाशकः

INFUSION NOTES

जयपुर, 302029 (RAJASTHAN)

मो : 9887809083

ईमेल : contact@infusionnotes.com

वेबसाइट : http://www.infusionnotes.com

WhatsApp करें – https://wa.link/iny7y2

Online Order करें – https://bit.ly/bihar-police-notes

मूल्य : ₹	**संस्करण : नवीनतम**

प्राचीन भारत का इतिहास		
क्र. सं.	अध्याय	पेज
1.	सिन्धु घाटी सभ्यता	1
2.	वैदिक सभ्यता	4
3.	बौद्ध धर्म, जैन धर्म, शैव धर्म	9
4.	महाजनपद काल	14
5.	मौर्य काल एवं मौर्योत्तर काल	19
6.	गुप्त काल एवं गुप्तोत्तर काल	23
7.	भारत के प्रमुख राजवंश	27
8.	कुषाण वंश एवं सातवाहन वंश	46
मध्यकालीन भारत		
1.	अरबों का सिंध पर आक्रमण	48
2.	दिल्ली सल्तनत के प्रमुख राजवंश	50
3.	भक्ति एवं सूफी आन्दोलन	60
4.	बहमनी एवं विजयनगर साम्राज्य	63
5.	मुग़ल वंश	66
आधुनिक भारत का इतिहास		
1.	यूरोपीय कम्पनियों का भारत आगमन	75

2.	मराठा साम्राज्य	80
3.	अंग्रेजों की राजनीतिक एवं प्रशासनिक नीतियाँ	83
4.	1857 की क्रांति से पूर्व के जनांदोलन	90
5.	भारत में राष्ट्रीय जागरण या आन्दोलन	93
6.	गांधी युग	97
7.	क्रांतिकारी आन्दोलन से आजादी तक	105
भारतीय कला एवं संस्कृति		
1.	भारत के प्रमुख शास्त्रीय नृत्य	108
2.	भारतीय चित्रकला	110
3.	भारतीय नृत्य कलाएं	111
4.	मुगलकालीन इमारतें	113
5.	भारत के प्रमुख मंदिर	117
भारत का भूगोल		
1.	सामान्य परिचय	121
2.	भौतिक विभाजन	123
3.	भारत की नदियाँ एवं झीलें	128
4.	भारत की जलवायु	134
5.	भारत में कृषि	135

6.	मृदा	142
7.	भारत की वनस्पतियां	144
8.	भारत के राष्ट्रीय उद्यान एवं अभ्यारण्य	147
9.	भारत में प्रमुख खनिज एवं उर्जा संसाधन	150
10.	उद्योग	154
11.	परिवहन	159
12.	जनसंख्या	164
13.	जनजातियाँ	170
	विश्व भूगोल	
1.	• पृथ्वी की उत्पति एवं विकास • वेगनर का महाद्वीपीय विस्थापन्न सिद्धांत • ब्रह्माण्ड एवं सौरमंडल • पृथ्वी की गतियाँ • अन्य महत्वपूर्ण वनलाइनर तथ्य • महाद्वीप • प्रमुख उद्योग • महाद्वीप विविध • पर्वत (Mountains) एवं पठार • विश्व के प्रमुख महासागर और सागर	171
	भारतीय राजनीति	
1.	भारत का संवैधानिक विकास	220

2.	संविधान सभा	223
3.	संविधान की विशेषताएं	225
4.	भारतीय संविधान के स्रोत	228
5.	भारतीय संविधान के भाग	229
6.	संघ एवं इसका राज्य क्षेत्र	230
7.	भारतीय नागरिकता	231
8.	नीति निदेशक तत्व	232
9.	मौलिक अधिकार	234
10.	राष्ट्रपति एवं उप राष्ट्रपति	237
11.	भारतीय संसद	241
12.	प्रधानमंत्री एवं मंत्रिपरिषद	247
13.	उच्चत्तम न्यायालय	248
14.	राज्य कार्यपालिका	250
15.	मुख्यमंत्री ,महाधिवक्ता ,राज्य विधानमंडल	252
16.	उच्च न्यायालय	258
17.	पंचायती राज	261
18.	निर्वाचन आयोग	266
19.	राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग	267

20.	नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक	268
21.	नीति आयोग	269
22.	संविधान संशोधन	270
	अर्थशास्त्र	
1.	अर्थशास्त्र की मूलभूत अवधारणाएं	271
2.	राष्ट्रीय आय एवं उत्पाद	273
3.	बजट एवं बजट निर्माण	274
4.	मुद्रा एवं बैंकिंग	277
5.	केंद्र सरकार की योजनाएं	280
6.	कर	286
7.	गरीबी एवं बेरोजगारी	287
8.	स्टॉक एक्सचेंज एवं शेयर बाज़ार	290
9.	भारत में आर्थिक नियोजन	296
10.	आर्थिक समस्याएँ एवं सरकार की पहलें	297

इतिहास

प्राचीन भारत का इतिहास

अध्याय – 1

सिन्धु घाटी सभ्यता

- यह दक्षिण एशिया की प्रथम नगरीय सभ्यता थी ।
- इस सभ्यता को सबसे पहले हड़प्पा सभ्यता नाम दिया गया ।
- सबसे पहले 1921 में हड़प्पा नामक स्थल की खोज दयाराम साहनी द्वारा की गई थी।
- सिन्धु घाटी सभ्यता को अन्य नामों से भी जानतें हैं ।
- सैंधव सभ्यता- जॉन मार्शल के द्वारा कहा गया
- सिन्धु सभ्यता - मार्टियर व्हीलर के द्वारा कहा गया।
- वृहत्तर सिन्धु सभ्यता – ए. आर-मुगल के द्वारा कहा।
- सरस्वती सभ्यता भी कहा गया ।
- मेलूहा सभ्यता भी कहा गया ।
- मेलूहा सिन्धु क्षेत्र का प्राचीन नाम था ।
- कांस्यकालीन सभ्यता भी कहा गया ।
- यह सभ्यता मिश्र एवं मेसोपोटामिया सभ्यताओं के समकालीन थी।
- इस सभ्यता का सर्वाधिक फैलाव घग्घर हाकरा नदी के किनारे है। अतः इसे सिन्धु सरस्वती सभ्यता भी कहते हैं ।
- 1902 में लॉर्ड कर्जन ने जॉन मार्शल को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग का महानिदेशक बनाया।
- जॉन मार्शल को हड़प्पा व मोहनजोदड़ों की खुदाई का प्रभार सौंपा गया।
- 1921 में जॉन मार्शल के निर्देशन पर दयाराम साहनी ने हड़प्पा की खोज की।
- 1922 में राखलदास बनर्जी ने मोहनजोदड़ों की खोज की।
- हड़प्पा नामक पुरास्थल सिन्धु घाटी सभ्यता से सम्बद्ध है ।
- 20 सितम्बर 1924 को जॉन मार्शल ने द इलस्ट्रेटेड लन्दन न्यूज' के माध्यम से इस सभ्यता की खोज की घोषणा की।
- सिन्धुवासी बैल को शक्ति का प्रतीक मानते थे ।
- सिन्धुवासी तांबा धातु का ज्यादा प्रयोग करते थे ।
- मेहरगढ़ से से भारत में कृषि का प्राचीनतम साक्ष्य मिला है ।
- सिन्धुवासी मिठास के लिए शहद का प्रयोग किया करते थे ।

सिन्धु सभ्यता की प्रजातियाँ –

- प्रोटो-आस्ट्रेलायड - सबसे पहले आयी
- भूमध्यसागरीय - मोहनजोदड़ों की कुल जनसंख्या में सर्वाधिक
- मंगोलियन – मोहनजोदड़ों से प्राप्त पुजारी की मूर्ति इसी प्रजाति की है ।
- अल्पाइन प्रजाति ।

सिन्धु सभ्यता की तिथि

- कार्बन 14 (C^{14}) - 2500 से 1750 ई.पू.
- व्हिलेर - 2500-1700 ई.पू.
- मार्शल - 3250-2750 ई.पू.

इस सभ्यता का विस्तार

- इस सभ्यता का विस्तार पाकिस्तान और भारत में ही मिलता है।

पाकिस्तान में सिन्धु सभ्यता के स्थल

- डाबर कोट
- सुत्कांगेडोर
- सोत्काकोह
- बालाकोट

सुत्कांगेडोर- इस सभ्यता का सबसे पश्चिमी स्थल है जो दाश्क नदी के किनारे अवस्थित है। इसकी खोज ऑरेल स्टाइन ने की थी।

- सुत्कांगेडोर को हड़प्पा के व्यापार का चौराहा भी कहते हैं ।

भारत में सिन्धु सभ्यता के स्थल,

- **हरियाणा**- राखीगढ़ी, सिसवल कुणाल, बनावली, मितायल, बालू
- **पंजाब** – कोटलानिहंग खान चक्र 86 बाड़ा, संघोल, टेर माजरा
रोपड़ (रूपनगर) - स्वतन्त्रता प्राप्ति के बाद खोजा गया पहला स्थल
- **कश्मीर** - माण्डा
चिनाब नदी के किनारे
सभ्यता का उत्तरी स्थल
- **राजस्थान** - कालीबंगा, बालाथल
तरखान वाला डेरा
- **उत्तर प्रदेश**- आलमगीरपुर
सभ्यता का पूर्वी स्थल
- माण्डी

- बड़गाँव
- हलास
- सनौली

- **गुजरात**

धौलावीरा, सुरकोटड़ा, देसलपुर रंगपुर, लोथल, रोजदिख्वी, तेलोद, नगवाड़ा, कुन्तासी, शिकारपुर, नागेश्वर, मेघम प्रभासपाटन भोगन्नार

- **महाराष्ट्र**- दैमाबाद

सभ्यता की दक्षिणतम सीमा
फैलाव- त्रिभुजाकार
क्षेत्रफल- 1299600 वर्ग किलों मीटर

प्रमुख स्थल एवं विशेषताएँ

- **हड़प्पा**

रावी नदी के किनारे पर स्थित इस स्थल की खोज दयाराम साहनी ने की थी। खोज - वर्ष 1921 में उत्खनन-

- 1921-24 व 1924-25 में दयाराम साहनी द्वारा।
- 1926-27 से 1933-34 तक माधव स्वरुप वत्स द्वारा
- 1946 में मार्टीयर ह्वीलर द्वारा
- इसे 'तोरण द्वार का नगर तथा 'अर्द्ध औद्योगिक नगर' कहा जाता है।
- पिगट ने हड़प्पा एवं मोहनजोदड़ों को इस सभ्यता की जुड़वा राजधानी कहा है। इन दोनों के बीच की दूरी 640 किलोमीटर है।
- 1826 में चार्ल्स मैसन ने यहाँ के एक टीले का उल्लेख किया, बाद में उसका नाम ह्वीलर ने MOUND-AB दिया।
- हड़प्पा के अन्य टीले का नाम MOUND-F है।
- हडप्पा सभ्यता की मुद्राएँ आयताकार थी।
- हड़प्पा से प्राप्त कब्रिस्तान को R-37 नाम दिया।
- भारत में चाँदी की उपलब्धता के प्राचीनतम साक्ष्य हड़प्पा सभ्यता से मिलते हैं।
- यहाँ से प्राप्त समाधि को HR नाम दिया
- हड़प्पा के अवशेषों में दुर्ग, रक्षा प्राचीन निवास गृह चबूतरा, अन्नागार तथा ताम्बे की मानव आकृति महत्त्वपूर्ण हैं।
- हडप्पा सभ्यता को ऋग्वेद में हरियुपिया कहा जाता है।
- "सिन्धु का बाग" हडप्पा सभ्यता के मोहनजोदड़ों के पुरास्थल को कहा गया है।
- हडप्पा वासी 16 के गुणक का प्रयोग किया करते थे।
- कोटदीजी की खोज 1935 में घुरये ने की थी। और इसकी नियमित खुदाई 1953 ई. में फजल अहमद ने की थी।
- कोटदीजी सिन्धु नदी के किनारे स्थित था।

मोहनजोदड़ों

- सिन्धु नदी के तट पर मोहनजोदड़ों की खोज सन् 1922 में राखलदास बनर्जी ने की थी। उत्खनन - राखलदास बनर्जी (1922-27)
  - मार्शल
  - जे.एच. मैके
  - जे.एफ. डेल्स
- मोहनजोदड़ों का नगर कच्ची ईटों के चबूतरे पर निर्मित था।
- मोहनजोदड़ों सिन्धी भाषा का शब्द, अर्थ- मृतकों का टीला मोहनजोदड़ों को स्तूपों का शहर भी कहा जाता है।
- बताया जाता है कि यह शहर बाढ़ के कारण सात बार उजड़ा एवं बसा।
- यहाँ से यूनीकॉर्न प्रतीक वाले चाँदी के दो सिक्के मिले हैं।
- वस्त्र निर्माण का प्राचीन साक्ष्य यहाँ से मिलता है। कपास के प्रमाण - मेहरगढ़
- सुमेरियन नाव वाली मुहर यहाँ से मिली है।
- मोहनजोदड़ों की सबसे बड़ी इमारत संरचना यहाँ से प्राप्त अन्नागार है। (राजकीय भण्डारागार)
- यहाँ से एक 20 खम्भों वाला सभा भवन मिला है। मैके ने इसे 'बाजार' कहा है।
- बहुमंजिली इमारतों के साक्ष्य, पुरोहित आवास, पुरोहितों का विद्यालय, पुरोहित राजा की मूर्ति, कुम्भकारों की बस्ती के प्रमाण भी मोहनजोदड़ों से मिले हैं।
- मोहनजोदड़ों का शाब्दिक अर्थ मृतकों का टीला है।
- मूर्ति पूजा का आरम्भ पूर्व आर्य काल से माना जाता है।
- बड़ी संख्या में कुओं की प्राप्ति ।
- 8 कक्षों वाला विशाल स्नानागार भी यहीं से प्राप्त हुआ हैं।
- पिग्गट ने हडप्पा एवं मोहनजोदड़ों को एक विस्तृत साम्राज्य की जुड़वाँ राजधानी कहा है।

कालीबंगा-

- कालीबंगा की खोज अमलानन्द घोष द्वारा गंगानगर में की गयी थी।
- सरस्वती नदी (वर्तमान घग्घर के तट पर)
- कालीबंगा वर्तमान में हनुमानगढ़ में है।

- उत्खनन - बी.बी लाल, बी. के. थापड़ 1953 में
  कालीबंगा - काले रंग की चूड़ियाँ
- कालीबंगा - सैंधव सभ्यता की तीसरी राजधानी
- कालीबंगा से एक साथ दो फसलों की बुवाई तथा जालीदार जुताई के साक्ष्य मिले हैं ।
- कालीबंगा से प्राप्त दुर्ग दो भागों में बंटा हुआ- द्विभागीकरण है ।
- सड़कों को पक्का बनाने का प्रमाण कालीबंगा से प्राप्त हुआ है ।
- युग्म शवाधान का साक्ष्य शवों का अन्तिम संस्कार की तीनों विधियों के साक्ष्य यहाँ से प्राप्त हुए हैं ।
- मृण पट्टिका पर उत्कीर्ण सींगयुक्त देवता की मुहर कालीबंगन से प्राप्त हुई है ।
- भूकम्प आने के प्राचीनतम प्रमाण यहीं से प्राप्त हुए हैं।
- वृषभ की ताम्रमूर्ति भी कालीबंगा से प्राप्त हुई है ।
- यहाँ से प्राप्त लेखयुक्त बर्तन से स्पष्ट होता है कि इस सभ्यता की लिपि दाईं से बाईं ओर लिखी जाती थी।
- लेखन कला की प्रणाली विकसित करने वाली प्रथम प्राचीन सभ्यता सुमेरियन सभ्यता थी ।

चन्हूदड़ों -

- खोज एन. जी. मजूमदार
- उत्खनन मैंके ने किया ।
- सिन्धु सभ्यता का यह औद्योगिक शहर था ।
- यहाँ मणिकारी, मुहर बनाने, भार-माप के बटखड़े बनाने का काम होता था।
- सिन्धु संस्कृति के बाद विकसित झूकर- झांगर संस्कृति के अवशेष यहाँ से ही मिले हैं ।

लोथल

- खोज एस. आर. राव (रंग नाथ राव)1954 में की थी
- लघु हड़प्पा
- लघु मोहनजोदड़ों की संज्ञा दी गई है । और लोथल के पूर्वी भाग में एक गोदीबाड़ा का साक्ष्य मिला है ।
- बन्दरगाह या जल भण्डार या गोदीबाड़ा यहाँ की सबसे महत्त्वपूर्ण खोज है।
- लोथल का बन्दरगाह ही सिन्धु सभ्यता की सबसे बड़ी इमारती संरचना है।
- लोथल से वृत्ताकार या चतुर्भुजाकार अग्निवेदी पाई गई हैं ।
- लोथल का मिश्र एवं मेसोपोटामिया के साथ सीधा व्यापार होता था।
- भारत में उत्तरी काले पॉलिशकृत मृदभाण्ड द्वितीय नगरीकरण के प्रारम्भ के प्रतीक माने जाते हैं ।
- लोथल भोगवा नदी के किनारे बसा है ।

धौलावीरा

- खोज जे.पी. जोशी द्वारा - (1967-68) में मनहर एवं मानसेहरा नदियों के बीच कादिर द्वीप पर की खोज की।
- धौलावीरा एक आयताकार नगर था । जो तीन भागों में विभक्त था।
- धौलावीरा से जल-प्रबंधन के साक्ष्य प्राप्त हुये हैं ।
- भारत के विशालतम सिन्धु सभ्यता स्थल धौलावीरा तथा राखीगढ़ी है।
- धौलावीरा से घोड़े की कलाकृतियों के अवशेष मिले हैं । सिन्धु सभ्यता का यह औद्योगिक शहर था ।

रोजदी

- रोजदी से हाथी के अवशेष मिले हैं ।
- यहाँ मणिकारी, मुहर बनाने, भार-माप के बटखड़े बनाने का काम होता था।
- सिन्धु संस्कृति के बाद विकसित झूकर- झांगर संस्कृति के अवशेष यहाँ से ही मिले।

सुरकोटड़ा

- सुरकोटड़ा से घोड़े की अस्थियों के साक्ष्य मिले हैं।
- मिट्टी से बनी घोड़े की आकृति- मोहनजोदड़ों
- घोड़े की हड्डियां- सुरकोटड़ा
- तीन मृणमूर्तियाँ – लोथल
- अंडाकार शव के अवशेष सुरकोटड़ा से मिले हैं ।

बनावली

- बनावली रंगोई नामक नदी के तट पर स्थित है ।
- यहाँ से मिट्टी का हल, बटखरा तथा बहुत सारे घरों में अग्निकुण्ड के साक्ष्य मिले।

रोपड़

- रोपड़ सतलज नदी के बायें तट पर स्थित था।
- आधुनिक नाम रूपनगर
- स्वतन्त्रता प्राप्ति के बाद सैंधव सभ्यता का उत्खनित स्थल (भारत का)
- खोज-बी.बी. लाल 1950
  उत्खनन- यज्ञ दत्त शर्मा 1953-56
- रोपड़ से एक ऐसा कब्रिस्तान मिला है जहाँ मनुष्य के साथ पालतू कुत्ता भी दफनाया गया है।

राखीगढ़ी

- भारत में स्थित सबसे बड़ा सिन्धु सभ्यता स्थल

मांडा - उ.प्र.

- 7 नवीनतम उत्खनित स्थल ।
- टकसाल गृह का साक्ष्य मिला है ।
  घोड़े की हड्डियों के साक्ष्य मिले हैं।

• परमार वंश

- परमार वंश का संस्थापक उपेन्द्र राज था।
- परमार वंश की प्रारम्भिक राजधानी उज्जैन थी।
- परमार वंश में उपेन्द्र, बैरिसिंह प्रथम, सियक प्रथम, वाक्पति प्रथम, वैरिसिंह द्वितीय, वाक्पति
- मुंज, सिन्धुराज, भोज, जयसिंह, लक्ष्मण देव, जगतदेव, नरवर्मन, यशोवर्मन, जयवर्मन, विध्यवर्मन, सुभटवर्मन आदि प्रमुख शासक बने। परमार वंश का प्रथम स्वतन्त्र एवं प्रतापी राजा सीयक अथवा श्रीहर्ष था।
- 'परमार वंश के मुंज ने श्री वल्लभ, पृथ्वीवल्लभ तथा अमोघवर्ष आदि उपाधियाँ धारण की।
- परमार वंश के मुंज के 'दरबार में यशोरूपावलोक के रचियता धनिक नवसाहसांकचरित के लेखक पद्म गुप्त दशरूपक के लेखक धनंजय आदि रहते थे।
- राजा मुंज के बाद उसका छोटा भाई सिन्धुराज शासक बना जिसने कुमार नारायण एवं साहसांक की उपाधियाँ धारण की थी।
- परमार वंश का योग्य एवं प्रतापी शासक सिन्धुराज का पुत्र एवं उत्तराधिकारी भोज बना था।
- भोज ने अपनी नई राजधानी उज्जैन के स्थान पर धारा को बनाया।
- भोज ने अपनी विद्वता के कारण कविराज की उपाधि धारण की।
- भोज ने भोजपुर नगर एवं भोजसेन नामक तालाब का निर्माण भी करवाया था।
- भोज ने समरांगणसूत्रधार, सरस्वती कंठाभरण, सिद्धान्त संग्रह, राजमार्तण्ड, योगसूत्रवृति, विद्याविनोद, युक्ति- कल्पतरु , चरुचर्या, आदित्य प्रताप सिद्धान्त, आयुर्वेद सर्वस्त्र आदि ग्रंथों की रचना की।
- राजा भोज ने भोपाल के दक्षिण में भोजपुर नामक झील का निर्माण करवाया।
- वैषधीयचरित के लेखक श्रीहर्ष एवं प्रबन्धचिन्तामणि के लेखक मेरुतुंग थे।
- नवसाहसांक चरित के रचविता पद्मगुप्त, दशरूपक के रचयिता धनंजय, धनिक, हलायुध एवं अमितगति जैसे विद्वान वाक्पति मुंज के दरबार में रहते थे।
- कविराज की उपाधि से विभूषित शासक राजा भौज था।
- भौज ने अपनी राजधानी में सरस्वती मंदिर का निर्माण करवाया था।
- इस मंदिर के परिसर में संस्कृत विद्यालय भी खोला गया।
- भौज ने चितौड़ में त्रिभुवन नारायण मंदिर का निर्माण करवाया।
- परमार वंश के बाद तोमर वंश उसके बाद चाहमान वंश और अन्तत 1297 ई. में अलाउद्दीन खिलजी के सेनापति नसरत खाँ और उलूग खाँ ने मालवा पर आधिकार कर लिया।

• सेन वंश

- **सेन वंश:** सेन वंश एक प्राचीन भारतीय राजवंश का नाम था, जिसने 12वीं शताब्दी के मध्य से बंगाल पर अपना प्रभुत्व स्थापित कर लिया। सेन राजवंश ने बंगाल पर 160 वर्ष राज किया। इस वंश का मूलस्थान कर्णाटक था।
- सेन वंश का संस्थापक सामंत सेन था। सेन वंश की स्थापना राढ़ में हुई थी। इसका शासन काल 1070-1095 ई. है।
- इसकी राजधानी नदिया (लखनौती) थी।
- सेन वंश का पराक्रमी शासक विजयसेन था जो शैव धर्म का अनुयायी था। विजय सेन का उत्तराधिकारी बल्लालसेन और बल्लाल सेन का उतराधिकारी लक्ष्मण सेन था।
- बल्लाल सेन बंगाल के सेन राजवंश के (1158-79 ई.) प्रमुख शासक थे। बल्लाल सेन उसने उत्तरी बंगाल पर विजय प्राप्त की और मगध के पाल वंश का अंत कर दिया और विजय सेन उत्तराधिकारी बन गए 'लघुभारत' एवं 'वल्लालचरित' ग्रंथ के उल्लेख से प्रमाणित होता है कि वल्लाल का अधिकार मिथिला और उत्तरी बिहार पर था।
- लक्ष्मण सेन के दरबार में "गीत गोविन्द " के रचयिता जयदेव तथा हल्लायुद्ध एवं पवनदूतम के रचियता धोई रहते थे।
- हल्ला युद्ध लक्ष्मण सेन का प्रधान न्यायाधीश एवं मुख्यमंत्री था। लक्ष्मण सेन के बाद विश्वरूप सेन तथा केशव सेन राजा बने।
- 1202 ई. में इख्तयारुद्दीन मुहम्मद -बिन बख्तियार ने लक्ष्मण सेन की राजधानी लखनौती पर आक्रमण कर उसे नष्ट कर दिया।

सेन राजवंश प्रथम राजवंश था जिसने अपना अभिलेख सर्वप्रथम हिंदी में उत्कीर्ण करवाया था। लक्ष्मण सेन बंगाल का अंतिम हिन्दू शासक था। इसने देवपाड़ा में प्रद्युमनेश्वर मंदिर (शिव का विशाल मंदिर) की स्थापना की।

अध्याय - 8

कुषाण वंश एवं सातवाहन वंश

- **कुषाण वंश**

- मौर्योतरकालीन विदेशी आक्रमणकारियों में कुषाण वंश सबसे महत्वपूर्ण है । पल्लवों के बाद भारतीय क्षेत्र में कुषाण आये जिन्हें युची और तोखरी भी कहा जाता है ।
- कुषाणों ने सर्व प्रथम बैक्ट्रिया और उत्तरी अफगानिस्तान पर अपना शासन स्थापित किया ।
- कुषाण वंश का संस्थापक कुजुल कडफिसेस था ।
- इसने तांम्बे का सिक्का चलाया था । सिक्कों के एक भाग पर यवन शासक हर्मियस का नाम उल्लेखित है तथा दूसरे भाग पर कुजुल का नाम खरोष्ठी लिपि में खुदा हुआ है ।
- कुजुल कडफिसेज के बाद विम कडफिसेज शासक बना जिसने सर्वप्रथम सोने का सिक्का जारी किया । इसके अतिरिक्त कुषाणों ने प्राचीन भारत में नियमित रूप से सोने के सिक्के चलाने के साथ ही उत्तरी पश्चिमी भारत में सर्वाधिक संख्या में तांम्बे के सिक्के भी जारी किये।
- इसके सिक्कों पर शिव नंदी तथा त्रिशूल की आकृति एवं महेशवर की उपाधि उत्कीर्ण हैं ।
- विम कडफिसेज के बाद कनिष्क ने कुषाण साम्राज्य की सत्ता संभाली कनिष्क कुषाण वंश का महानतम शासक था । इसके कार्य काल का आरम्भ 78 ई. माना जाता है । क्योंकि इसी ने 78 ई. में शक संवत् आरंम्भ किया ।
- उसने कश्मीर को विजित कर वहां कनिष्कपुर नामक नगर बसाया ।
- कनिष्क बौद्ध धर्म की महायान शाखा का संरक्षक था । इसके सिक्कों पर बुद्ध का अंकन हुआ है ।
- कनिष्क ने कश्मीर में चतुर्थ बौद्ध संगीति का आयोजन किया।
- उसका उत्तराधिकारी हुविष्क था । हुविष्क के पश्चात् कनिष्क द्वितीय शासक बना जिसने सीजर की उपाधि ग्रहण की ।
- कुषाण वंश का अंतिम शासक वासुदेव था । जिसने अपना नाम भारतीय पर रख लिया । इसके सिक्को पर शिव के साथ गज की आकृति मिली है ।
- कनिष्क के सारनाथ बौद्ध अभिलेख की तिथि 81 ई. सन् हैं । यह इसके राज्यारोहण के तीसरे वर्ष स्थापित की गई थी ।

कुजुल कडफिसेस

- **मुख्य लेख : कुजुल कडफिसेस**
- कुषाणों के एक सरदार का नाम कुजुल कडफिसेस था । उसने क़ाबुल और कंधार पर अधिकार कर लिया ।
- मथुरा में इस शासक के तांबे के कुछ सिक्के प्राप्त हुए हैं ।

विम कडफिसेस

- **मुख्य लेख : विम कडफिसेस**
- विम तक्षम लगभग 60 ई. से 105 ई. के समय में शासक हुआ होगा।

कनिष्क

- **मुख्य लेख : कनिष्क**
- कनिष्क कुषाण वंश का सबसे प्रमुख या प्रसिद्ध सम्राट था । भारतीय इतिहास में अपनी विजय, धार्मिक प्रवृत्ति, साहित्य तथा कला का प्रेमी होने के नाते विशेष स्थान रखता है।
- कनिष्क की कश्मीर विजय का उल्लेख राजतरंगिणी नामक ग्रन्थ में मिलता है । कश्मीर में कनिष्कपुर नामक नगर को कनिष्क ने बसाया।
- कनिष्क के दरबार में महान दार्शनिक एवं वैज्ञानिक नागार्जुन की तुलना मार्टिन लूथर से की जाती है।
- नागार्जुन को भारत का आइन्स्टाइन कहा जाता है। नागार्जुन ने अपनी पुस्तक 'माध्यमिक सूत्र' में सापेक्षता के सिद्धान्त को प्रस्तुत किया है ।
- शून्यवाद के व्याख्याकार नागार्जुन थे ।
- कनिष्क के राजवेद आयुर्वेद के महापण्डित चरक थे । चरक ने औषधि पर चरकसहिंता नामक ग्रन्थ की रचना की ।
- बौद्ध धर्म के विश्वकोष 'महाविभासुत्र' की रचना वसुमित्र ने की थी ।
- कनिष्क के युग में गंधार कला , सरनाथ कला , मथुरा कला , तथा अमरावती कला का विकास हुआ । गंधार शैली में बौद्ध मूर्तियों का निर्माण हुआ था ।
- रेशम मार्ग पर नियंत्रण रखने वाले शासकों में सबसे प्रसिद्ध कुषाण थे । कुषाण साम्राज्य में मार्गो पर सुरक्षा का प्रबंध था । रेशम मार्ग का आरम्भ कनिष्क ने करवाया था ।
- कुषाण काल में सबसे अधिक विकास वास्तु कला के क्षेत्र में हुआ था । इसी काल में बुद्ध की खड़ी प्रतिमा का निर्माण हुआ था ।

अध्याय – 5

मुगल वंश (1526 - 1707 ई.)

बाबर से औरंगजेब तक

बाबर (1526 – 1530 ई.)

- पानीपत के मैदान में 21 अप्रैल, 1526 को इब्राहिम लोदी और चुगताई तुर्क जलालुद्दीन बाबर के बीच युद्ध लड़ा गया।
- लोदी वंश के अंतिम शासक इब्राहिम लोदी को पराजित कर खानाबदोश बाबर ने तीन शताब्दियों से सत्तारूढ़ तुर्क अफगानी सुल्तानों की- दिल्ली सल्तनत का तख्ता पलट कर दिया।
- बाबर ने मुग़ल साम्राज्य और मुग़ल सल्तनत की नींव रखी ।
- मुगल वंश का संस्थापक बाबर था, अधिकतर मुगल शासक तुर्क और सुन्नी मुसलमान थे मुगल शासन 17 वीं शताब्दी के आखिर में और 18 वीं शताब्दी की शुरुआत तक चला और 19 वीं शताब्दी के मध्य में समाप्त हुआ।
- बाबर का जन्म छोटी सी रियासत 'फरगना में 1483 ई. में हुआ था। जो फ़िलहाल उज़्बेकिस्तान का हिस्सा है।
- बाबर अपने पिता की मृत्यु के पश्चात् मात्र 11 वर्ष की आयु में ही फरगना का शासक बन गया था। बाबर को भारत आने का निमंत्रण पंजाब के सूबेदार दौलत खाँ लोदी और इब्राहिम लोदी के चाचा आलम खाँ लोदी ने भेजा था ।
- पानीपत का प्रथम युद्ध 21 अप्रैल, 1526 ई. को इब्राहिम लोदी और बाबर के बीच हुआ, जिसमें बाबर की जीत हुई
- खनवा का युद्ध 17 मार्च 1527 ई. में राणा सांगा और बाबर के बीच हुआ, जिसमें बाबर की जीत हुई ।
- चंदेरी का युद्ध 29 मार्च 1528 ई. में मेदनी राय और बाबर के बीच हुआ, जिसमें बाबर की जीत हुई ।
- घाघरा का युद्ध 6 मई 1529 ई. में अफगानों और बाबर के बीच हुआ, जिसमें बाबर की जीत हुई ।

नोट -पानीपत के प्रथम युद्ध में बाबर ने पहली बार तुगलमा / तुलगमा युद्ध नीति का इस्तेमाल किया था ।

- उस्ताद अली एवं मुस्तफा बाबर के दो प्रसिद्ध निशानेबाज थे । जिसने पानीपत के प्रथम युद्ध में भाग लिया था ।
- पानीपत का प्रथम युद्ध बाबर का भारत पर उसके द्वारा किया गया पांचवा आक्रमण था, जिसमें उसने इब्राहिम लोदी को हराकर विजय प्राप्त की थी और मुग़ल साम्राज्य की स्थापना की थी।
- बाबर की विजय का मुख्य कारण उसका तोपखाना और कुशल सेना प्रतिनिधित्व था । भारत में तोप का सर्वप्रथम प्रयोग बाबर ने ही किया था।
- पानीपत के इस प्रथम युद्ध में बाबर ने उज्बेकों की 'तुलगमा युद्ध पद्धति तथा तोपों को सजाने के लिए'उस्मानी विधि जिसे 'रूमी विधि' भी कहा जाता है, का प्रयोग किया था।
- पानीपत के युद्ध में विजय की खुशी में बाबर ने काबुल के प्रत्येक निवासी को एक चाँदी का सिक्का दान में दिया था। अपनी इसी उदारता के कारण बाबर को 'कलन्दर' भी कहा जाता था।
- बाबर ने दिल्ली सल्तनत के पतन के पश्चात् उनके शासकों को सुल्तान' कहे जाने की परम्परा को तोड़कर अपने आपको 'बादशाह' कहलवाना शुरू किया।
- पानीपत के युद्ध के बाद बाबर का दूसरा महत्वपूर्ण युद्ध राणा सांगा के विरुद्ध 17 मार्च, 1527 ई. में आगरा से 40 किमी दूर खानवा नामक स्थान पर हुआ था।
- खानवा विजय प्राप्त करने के पश्चात् बाबर ने गाज़ी की उपाधि धारण की थी। इस युद्ध के लिए अपने सैनिकों का मनोबल बढ़ाने के लिए बाबर ने 'जिहाद' का नारा दिया था।
- खानवा के युद्ध में मुसलमानों पर लगने वाले कर तमगा की समाप्ति की घोषणा की थी, यह एक प्रकार का व्यापारिक कर था।
- 29 जनवरी, 1528 को बाबर ने चंदेरी के शासक मेदिनी राय पर आक्रमण कर उसे पराजित किया था। यह विजय बाबर को मालवा जीतने में सहायक रही थी।
- बाबर ने 06 मई, 1529 में 'घाघरा का युद्ध लड़ा था। जिसमें बाबर ने बंगाल और बिहार की संयुक्त अफगान सेना को हराया था।
- बाबर ने अपनी आत्मकथा 'बाबरनामा' का निर्माण किया था, जिसे तुर्की में 'तुजुके बाबरी' कहा जाता है। जिसे बाबर ने अपनी मातृभाषा चगताई तुर्की में लिखा है।
- बाबरनामा में बाबर ने तत्कालीन भारतीय दशा का विवरण दिया है। जिसका फारसी अनुवाद अब्दुर्रहीम खानखाना ने किया है और अंग्रेजी अनुवाद श्रीमती बेबरिज द्वारा किया गया है।
- बाबर ने अपनी आत्मकथा में 'बाबरनामा कृष्णदेव राय तत्कालीन विजयनगर के शासक को समकालीन भारत का शक्तिशाली राजा कहा है। साथ

ही पांच मुस्लिम और दो हिन्दू राजाओं मेवाड़ और विजयनगर का ही जिक्र किया है।

- बाबर ने 'रिसाल ए-उसज' की रचना की थी, जिसे 'खत-ए बाबरी ' भी कहा जाता है।
- बाबर ने एक तुर्की काव्य संग्रह 'दिवान का संकलन भी करवाया था। बाबर ने 'मुबइयान' नामक पद्य शैली का विकास भी किया था।
- बाबर ने संभल और पानीपत में मस्जिद का निर्माण भी करवाया था।
- बाबर के सेनापति मीर बाकी ने अयोध्या में मंदिरों के बीच 1528 से 1529 के मध्य एक बड़ी मस्जिद का निर्माण करवाया था, जिसे बाबरी मस्जिद के नाम से जाना गया।
- बाबर ने आगरा में एक बाग का निर्माण करवाया था, जिसे 'नर-ए-अफगान' कहा जाता था, जिसे वर्तमान में 'आरामबाग-' के नाम से जाना जाता है।
- इसमें चारबाग शैली का प्रयोग किया गया है। यहीं पर 26 दिसम्बर, 1530 को बाबर की मृत्यु के बाद उसको दफनाया गया था। परन्तु कुछ समय बाद बाबर के शव को उसके द्वारा ही चुने गए स्थान काबुल में दफनाया गया था।
- बाबर को मुबइयान नामक पद्य शैली का जन्म दाता माना जाता है ।
- बाबर को उदारता के कारण कलन्दर की उपाधि दी गयी थी ।
- बाबर प्रसिद्ध नक्शबंदी सूफी ख्वाजा उबेदुल्ला अरहार का अनुयायी था ।
- बाबर के चार पुत्र हिन्दाल, कामरान, अस्करी और हुमायूँ थे। जिनमें हुमायूँ सबसे बड़ा था फलस्वरूप बाबर की मृत्यु के पश्चात् उसका सबसे बड़ा पुत्र हुमायूँ अगला मुग़ल शासक बना।
- पित्रादुरा तकनीक का प्रयोग एत्मादुद्दौला के मकबरे में हुआ है जो ईरानी शैली का है ।

हुमायूँ (1530 ई-1556 ई.)

- बाबर की मृत्यु के बाद उसका पुत्र हुमायूँ मुगल वंश के शासन (गद्दी) पर बैठा ।
- हुमायूँ ने अपने साम्राज्य का विभाजन भाइयों में किया था। उसने कामरान को काबुल एवं कंधार, अस्करी को संभल तथा हिंदाल को अलवर प्रदान किया था।
- हुमायूँ के सबसे बड़े शत्रु अफगान थे, क्योंकि वे बाबर के समय से ही मुगलों को भारत से बाहर खदेड़ने के लिए प्रयत्नशील थे।
- हुमायूँ का सबसे बड़ा प्रतिद्वंदी अफगान नेता शेर खाँ था, जिसे शेरशाह शूरी भी कहा जाता है।
- हुमायूँ का अफगानों से पहला मुकाबला 1532 ई. में दौहरिया' नामक स्थान पर हुआ। इसमें अफगानों का नेतृत्व महमूद लोदी ने किया था। इस संघर्ष में हुमायूँ सफल रहा।
- 1532 ई. में हुमायूँ ने शेर खाँ के चुनार किले पर घेरा डाला। इस अभियान में शेर खाँ ने हुमायूँ की अधीनता स्वीकार कर ली
- 1532 ई. में हुमायूँ ने दिल्ली में दीन पनाह' नामक नगर की स्थापना की।
- चारबाग पद्धति का प्रयोग पहली बार हुमायूँ के मकबरे में हुआ जबकि भारत में पहला बाग युक्त मकबरा सिकन्दर लोदी का था ।
- हुमायूँ के मकबरे को ताजमहल का पूर्वगामी माना जाता है ।
- स्वर्ण सिक्का जारी करने वाला प्रथम मुगल शासक हुमायूँ था ।
- हुमायूँ ने 1535 ई. में ही उसने बहादुर शाह को हराकर गुजरात और मालवा पर विजय प्राप्त की।
- शेर खाँ की बढ़ती शक्ति को दबाने के लिए हुमायूँ ने 1538 ई. में चुनारगढ़ के किले पर दूसरा घेरा डालकर उसे अपने अधीन कर लिया।
- 1538 ई. में हुमायूँ ने बंगाल को जीतकर मुग़ल शासक के अधीन कर लिया । बंगाल विजय से लौटते समय 26 जून, 1539 को चौसा के युद्ध में शेर खाँ ने हुमायूँ को बुरी तरह पराजित किया।
- शेर खाँ ने 17 मई, 1540 को बिलग्राम के युद्ध में पुनः हुमायूँ को पराजित कर दिल्ली पर बैठा। हुमायूँ को मजबूर होकर भारत से बाहर भागना पड़ा।
- 1544 में हुमायूँ ईरान के शाह तहमस्प के यहाँ शरण लेकर पुनः युद्ध की तैयारी में लग गया ।
- 15 मई, 1555 को मच्छीवाड़ा तथा 22 जून, 1555 को सरहिन्द के युद्ध में सिकन्दर शाह सूरी को पराजित कर हुमायूँ ने दिल्ली पर पुनः अधिकार लिया।
- 23 जुलाई, 1555 को हुमायूँ एक बार फिर दिल्ली के सिंहासन पर आसीन हुआ, परन्तु अगले ही वर्ष 27 जनवरी, 1556 को पुस्तकालय की सीढ़ियों से गिर जाने से उसकी मृत्यु हो गयी।
- लेनपूल ने हुमायूँ पर टिप्पणी करते हुए कहा, "हुमायूँ जीवन भर लड़खड़ाता रहा और लड़खड़ाते हुए उसने अपनी जान दे दी।"
- बैरम खाँ हुमायूँ का योग्य एवं वफादार सेनापति था, जिसने निर्वासन् तथा पुनः राजसिंहासन प्राप्त करने में हुमायूँ की मदद की।
- हुमायूँनामा की रचना गुलबदन बेगम नी की थी ।

- भारतीय उग्र राष्ट्रवाद का जनक, आधुनिक भारत का निर्माता , भारतीय अशांति के जनक तथा देश भक्तों के राजकुमार बाल गंगाधर तिलक को कहा गया है ।
- "भारतीय अशांति" नामक पुस्तक के लेखक वैलेंटाइन शिरोल थे । ये लन्दन टाइम्स के संवादाता थे । इस पुस्तक में इन्होंने बाल गंगाधर तिलक को भारतीय अशांति का जन्मदाता कहा है।
- अनुशीलन समिति की स्थापना क्रांतिकारियों ने की थी।
- साइमन कमीशन के विरोध के समय लाला लाजपतराय पर लाठियों से प्रहार करने वाले सहायक अधीक्षक सांडर्स (लाहौर)की 30 अक्टूबर 1928 ई. को भगत सिंह चन्द्र शेखर आजाद और राजगुरु द्वारा की गई हत्या हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोशिएसन् की क्रांतिकारी गति विधि थी ।
- सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोशिएसन् के मुख्य सदस्य चन्द्रशेखर आजाद 27 फरवरी 1931 ई. को पुलिस के साथ मुठभेड़ में अल्फ्रेड पार्क इलाहबाद में शहीद हुये।
- 23 मार्च 1931 ई. को भगत सिंह , राजगुरु और सुखदेव को ब्रिटिश सरकार द्वारा फांसी दी गई ।
- बंगाल में सूर्यसेन ने इंडियन रिपब्लिकन आर्मी (आई. आर. ए.)की स्थापना की थी । यह संस्था चटगाँव में सक्रिय थी । इसने 1930 ई. में चटगाँव शस्त्रागार लुट को अंजाम दिया ।
- बिपिन चन्द्र पाल ने लोकतंत्रात्मक स्वराज के विचार का प्रतिपादन किया ।

अध्याय – 6

गाँधी युग

- 1916 ई. के लखनऊ अधिवेशन में एनीबेसेंट के सहयोग से कांग्रेस के उदारवादी और उग्रवादी एक हो गए ।
- भारत में होमरूल आंदोलन एनीबेसेंट ने आरम्भ किया ।
- महात्मा गाँधी ने पहली बार भूख हड़ताल अहमदाबाद मिल मजदूरों के हड़ताल (1918 ई.) के समर्थन में की थी ।
- गाँधी जी ने 1918 ई. में गुजरात में कर नहीं आंदोलन चलाया । गाँधी जी ने इस कानून के विरुद्ध 6 अप्रैल 1919 ई. को देशव्यापी हड़ताल करवायी ।
- दक्षिणी अफ्रीका से भारत आने के बाद गाँधी जी अपना प्रथम सत्याग्रह चम्पारण (बिहार) में किया।
- 1920 ई. के कांग्रेस के विशेष अधिवेशन की अध्यक्षता लाला लाजपत राय नी की थी जिसमें असहयोग के प्रस्ताव को रखा गया था ।
- रौलेट एक्ट को बिना वकील, बिना अपील, बिना दलील के कानून के नाम से जाना जाता है ।
- लॉर्ड चेम्सफोर्ड के शासन काल में गाँधी जी ने असहयोग आंदोलन शुरू किया था ।
- भारत में असहयोग आंदोलन 1920 में शुरू हुआ था।
- रौलेट एक्ट पारित हुआ उस समय भारत के वायसराय लॉर्ड चेम्सफोर्ड थे ।
- अनटू दिस लास्ट नामक पुस्तक के लेखक जॉन रस्किन हैं ।
- गदर पार्टी के संस्थापक लाला हरदयाल थे ।
- 5 फरवरी 1922 ई. को उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले के चौरी-चौरा नामक स्थान पर असहयोग आंदोलनकारीयों ने क्रोध में आकर थाने में आग लगा दी । जिससे एक थानेदार एवं 21 सिपाहियों की मृत्यु हो गयी । इस घटना से दुःखी होकर गाँधी जी 11 फरवरी 1922 ई. को असहयोग आंदोलन स्थगित कर दिया ।
- स्वामी श्रद्धानन्द ने रौलेट एक्ट के विरोध में लगान न देने के लिए आंदोलन चलने का विरोध किया ।
- उड़ीसा के अकाल काल को ब्रिटिश काल के दौरान पड़े अकाल को प्रकोप का समुद्र कहा जाता है ।
- 13 अप्रैल 1919 ई. को अमृतसर में जलियाँवाला बाग हत्या कांड हुआ । इस जनसभा में जनरल डायर ने अन्धाधुन्ध गोलियां चलवाई । इस हत्याकांड में लगभग 1000 लोग मारे गए । इस

हत्याकांड में हंसराज नामक भारतीय ने डायर को सहयोग दिया था।

- इस हत्याकांड के विरोध में महात्मा गाँधी ने केसर – ए - हिन्द की उपाधि, जमना लाल बजाज ने राय बहादुर, रवींद्रनाथ टैगोर ने सर, (नाईटहुड) की उपाधि वापस लौटा दी।
- जलियाँवाला बाग हत्या कांड की जाच के लिए सरकार ने अक्टूबर , 1919 ई. में लॉर्ड हंटर की अध्यक्षता में एक कमेटी का गठन किया। इसमें पांच अंग्रेज एवं तीन भारतीय (सर चिमन लाल सीता लवाड, साहबजादा सुल्तान अहमद, एवं जगत नारायण)सदस्य थे।
- जनरल डायर की हत्या उधमसिंह ने लंदन में की थी।
- जलियाँवाला बाग कभी जल्ली नामक व्यक्ति की सम्पति थी।
- रौलेट एक्ट को काला कानून तथा आतंकवादी और अपराध कानून कहा गया है।
- रौलेट एक्ट को 18 मार्च 1919 को कानूनी रूप दिया गया।
- रौलेट एक्ट के खिलाफ प्रदर्शन ही महात्मा गाँधी का भारत में पहला राजनीतिक आंदोलन था। अर्थात् उनकि राजनीतिक आंदोलन की शुरुआत थी।
- रौलेट एक्ट के अनुसार किसी भी संदेहास्पद व्यक्ति को बिना मुकदमा चलाये गिरफ्तार किया जा सकता था। और उसके विरुद्ध न कोई अपील न कोई दलील और न कोई वकील किया जा सकता था। गाँधी जी ने इस कानून के के विरुद्ध 6 अप्रैल 1919 ई. को देशव्यापी सत्याग्रह की तारीख तय की
- "बाल गंगाधर तिलक ने कहा स्वराज्य मेरा जन्म सिद्ध अधिकार है" और इसे मैं लेकर रहूँगा।
- भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के दौरान भारतीय राजनीति का शांतिकाल प्रथम विश्वयुद्ध के काल को कहा जाता है।
- खिलाफत आंदोलन के संबंध में इंग्लैण्ड भेजे गए शिष्टमंडल का नेतृत्व डॉ. अंसारी ने किया था। अंग्रेजों के विरुद्ध मुसलमानों का सहयोग व समर्थन करने के लिए गाँधी जी ने खिलाफत आंदोलन का समर्थन किया था।
- मुसलमनों ने अंग्रेजों की नीति के विरुद्ध खिलाफत आंदोलन चलाया था।
- भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के इतिहास में प्रथम विश्वयुद्ध के काल को आंधी से पूर्व शांति का काल कहा गया है।
- महात्मा गाँधी को सर्वप्रथम राष्ट्रपिता कहकर सुभाष चंद्र बोस ने संबोधित किया था।
- 1916 ई. में कांग्रेस और मुस्लिम लीग के बीच लखनऊ समझौता हुआ था। इस समझौते के बारे में सुरेन्द्रनाथ बनर्जी ने कहा था कि " भारत के इतिहास में यह सुनहरा दिन था "।
- 17 अक्टूबर 1919 को समूचे देश में खिलाफत दिवस मनाया गया।
- गाँधी के नाम से पहले महात्मा शब्द चम्पारण सत्याग्रह के पश्चात जोड़ा गया।

गाँधी युग और सविनय अवज्ञा आंदोलन

- सहयोगी गाँधी 1920 में असहयोग गाँधी बन गए।
- दिसम्बर 1921 ई. में अहमदाबाद में अधिवेशन में कांग्रेस ने सविनय अवज्ञा आंदोलन को चलाने का निश्चय किया इस आंदोलन का उद्देश्य था – नमक कर तोड़ना।
- सविनय अवज्ञा आंदोलन का आरम्भ गाँधी जी ने दांडी यात्रा से किया।
- स्वराज का नारा गाँधी जी ने असहयोग आंदोलन के समय दिया था।
- 12 मार्च 1930 को गाँधी जी ने अपने 78 चुने हुए अनुयायियों के साथ साबरमती आश्रम से दांडी समुद्र तट तक यात्रा शुरु की 24 दिनों की लम्बी यात्रा के उपरान्त 5 अप्रैल 1930 को दांडी में गाँधी जी और उनके अनुयायियों ने समुद्र से नमक बनाकर सांकेतिक रूप से नमक कानून को भंग किया नमक कानून को तोड़ने से औपचारिक रूप से सविनय अवज्ञा आंदोलन का सुभारम्भ हुआ।
- कर मत दो यह नारा सरदार वल्लभभाई पटेल ने दिया था।
- महात्मा गाँधी ने डॉ. राजेन्द्र प्रसाद को देशरत्न की उपाधि प्रदान की थी।
- साइमन कमीशन 1927 में भारत आया था इसका मुख्य प्रावधान संविधान निर्माण योजना था।
- शारदा एक्ट 1930 का मुख्य प्रावधान विवाह की आयु न्यूनतम का निर्धारिण लड़कों के लिए 18 वर्ष व लड़कियों के लिए 14 वर्ष की गई।
- भारत सरकार अधिनियम 1935 का मुख्य प्रावधान प्रांतीय स्वायत्तता था।
- अगस्त घोषणा प्रस्ताव 1940 का मुख्य प्रावधान प्रादेशिक स्वशासन से था।
- क्रिप्स मिशन प्रस्ताव 1942 का मुख्य प्रावधान संविधान सभा की योजना से था।
- वेवेल योजना 1945 का मुख्य प्रावधान सभी दलों को मिलाकर परिषद का निर्माण करना था।
- कैबिनेट मिशन योजना 1946 का मुख्य प्रावधान संघ का निर्माण व प्रान्तों की स्वायत्तता से था। माउन्टबेटन योजना का मुख्य प्रावधान भारत विभाजन से था।

ओडिसी को प्राचीन अग्रदूत दूत के रूप में पहचाना जा सकता है।

- भुवनेश्वर के पास उदयगिरि और खण्डगिरि की गुफाओं से इस नृत्य रूप के दूसरी शताब्दी ईसा पूर्व के पुरातात्विक प्रमाण पाए जाते हैं।
- ओडिसी एक उच्च शैली का नृत्य है और कुछ मात्र में शास्त्रीय नाटक शास्त्र तथा अभिनय दर्पण पर आधारित है।
- जयदेव द्वारा रचित 12वीं सदी के गीत गोविन्द के बारे में सत्य है।

प्रमुख शास्त्रीय नृत्य एवं उसके कलाकार

भरतनाट्यम	यामिनी कृष्णमूर्ति, सोनल मान सिंह, रुक्मिणी देवी, अरुंडेल, टी.बाल सरस्वती पद्मा सुब्रह्मण्यम,एस.के.सरोज, रामगोपाल, लीला सैमसन, मृणालीनी साराभाई वैजयंतीमाला बाली, मालविका सरकार, प्रियदर्शनी गोविन्द
कुचिपुड़ी	यामिनी कृष्णमूर्ति, लक्ष्मी नारायण शास्त्री, राधा रेड्डी, राजा रेड्डी, स्वप्नसुंदरी, वेदांतम सत्यनारायण वेमप्ति चेनासत्यम ।
ओडिशी	सयुक्त पर्णीग्रही, सोनल मान सिंह, किरण सहगल, माधवी मुद्गल, रानी कर्ण, कालीचरण पटनायक, इंद्राणी रहमान, शेरोन लोवेन (USA) मिर्ता बारवी (अर्जेटीना)
कथकली	बल्लतोल नारायण मेनन, उदयशंकर, कृष्ण नायर, शांता राव, मृणालिनी साराभाई, आनन्द शिवरामन, कृष्ण कुट्टी आदि ।
कत्थक	बिरजू महाराज, लच्छु महाराज, सुखदेव महाराज, सितारादेवी, गोपीकृष्ण
मणिपुरी	गुरु अमली सिंह, आत्म्ब सिंह कलावती देवी
मोहिनीअट्टम	कल्याणी अम्मा, भारती शिवाजी, रागिनी देवी

अध्याय – 5

मुगलकालीन इमारतें

जामा मस्जिद

- यह लाल पत्थर से निर्मित है । ! इस मस्जिद को फतेहपुर सीकरी का गौरव कहा गया है । फर्ग्यूसन ने इसे पत्थरों की रुमानी कथा कहा है ।

शेख सलीम चिश्ती का मकबरा

- अकबर ने इसका निर्माण लाल पत्थर से करवाया परंतु जहांगीर व शाहजहां ने इसे तुड़वाकर संगमरमर से निर्मित करवा दिया गया ।

इस्लाम खा का मकबरा

- सर्वप्रथम वर्गाकार मेहराब का प्रयोग इसी मकबरे में किया गया है ।

जोधाबाई का महल

- यह फतेहपुर सीकरी की सबसे बड़ी आवासीय इमारत है ।

तुर्की सुल्तान की कोठी

- यह अकबर की प्रथम पत्नी रुकैया बेगम का महल था । पर्सी ब्राउन ने इसे मुगल स्थापत्य का रतन कहां है ।

मरियम महल

- अकबर की माता हमीदा बानो का महल था । हमीदा बानो मरियम मकानी के नाम से प्रसिद्ध है ।
- अकबर ने इसमें हिंदू देवी-देवताओं के चित्र बनवाएं थे जिन्हें बाद में औरंगजेब ने चूने से पुतवा दिया गया ।
- इसका उल्लेख इटली के मनुची ने अपनी पुस्तक स्टीरियो डी मोगर में किया ।
- मरियम का महलः जोधाबाई महल के निकट हैं ।
- बीरबल का महलः यह दो मंजिला इमारत है जो मरियम के महल की तर्ज पर बनी हैं।
- तुर्की सुल्ताना की कोठीः रुबिया बेगम या सलीमा बेगम के लिए निर्मित यह लघु आकार की इमारत अत्यधिक आकर्षक है। पर्सी ब्राउन ने इसे "कलात्मक रत्न" कहा।
- फर्ग्यूसनः 'फतेहपुर सीकरी का महल पाषण का एक ऐसा रोमांस है जैसा कहीं और नहीं मिलेगा।
- अबुल फजल लिखता है कि "बादशाह सुन्दर भवनों की योजना बनाता है और अपने मस्तिष्क एवं हृदय के विचारों को पत्थर एवं गारे का रूप प्रदान करता है।

पंचमहल

- यह पांच मंजिला पिरामिड की आकृति की इमारत है इसमें कोई दरवाजा नहीं है ।
- नीचे वाली इमारत में 48 व ऊपर वाली इमारत में 4 स्तंभ हैं ।

हिरण मीनार

- अकबर ने अपने हाथी हिरण की स्मृति में इस 80 फीट ऊंची इस इमारत का निर्माण करवाया।

इबादत खाना

- इबादत खाना 1575 में अकबर ने इसका निर्माण करवाया । प्रारंभ में केवल इस्लाम धर्म पर वाद विवाद किया जाता था ।
- इसके अलावा दो मंजिला बीरबल महल का निर्माण करवाया गया ।
- 1570-71 में अकबर ने गुजरात पर विजय प्राप्त की थी ।
- इस विजय के उपलक्ष में 1601 में बुलंद दरवाजा का निर्माण कराया गया ।
- यह जमीन से 176 फीट ऊंचा है ।
- भरतपुर के लोहागढ़ दुर्ग के फतेह बुरज से यह भी यह दरवाजा दिखाई देता है ।
- विसेंट अर्थर स्मिथ – फतेहपुर सीकरी नगर को पत्थरों में डाला गया रोमांस कहां ।

जहांगीर (1605 – 1627)

- अकबर ने अपने जीवन काल में ही सिकंदरा (आगरा) अपने मकबरे का निर्माण प्रारंभ करवा दिया था इसे जहांगीर ने पूर्ण करवाया ।
- स्वतंत्र रूप से मीनारों का पहला प्रयोग इसी मकबरे में किया गया था ।
- जहांगीर की पत्नी नूरजहां या मेहरून्निसा ने अपने पिता मिर्जा गयास बेगम का एतमादुधोला का मकबरा आगरा के निकट बनवाया !
- मुगलकाल में पूर्ण संगमरमर की बनी यह प्रथम इमारत है ।
- मुगलकाल में सर्वप्रथम पितरादूरा का प्रयोग इसी इमारत में किया गया था ।
- पितरादूरा सफेद संगमरमर पर रंगीन की जड़ाई को कहते हैं ।
- जहांगीर ने श्रीनगर में शालीमार बाग लगवाया और इसे शाहजहां ने पूर्ण करवाया ।
- जहांगीर ने अजमेर में दौलत बाग या सुभाष उद्यान का निर्माण करवाया ।
- इसी बाग के गुलाब के फूलों से नूरजहां की माता अस्मत बेगम ने इत्र का आविष्कार किया था ।
- नूरजहां के भाई आसफ खा ने श्रीनगर में डल झील के सामने निशाद बाग का निर्माण किया ।
- जहांगीर ने लाहौर में स्थित शाहदरा के दिलकुशा बगीचे में अपने मकबरे का निर्माण प्रारंभ करवाया जिसे नूरजहां ने पूर्ण किया ।
- जहांगीर व नूरजहां को इसी में दफनाया गया था।

शाहजहां (1628 -58)

- शाहजहां के काल को मुगलकालीन स्थापत्य कला का स्वर्ण काल माना जाता है ।
- पर्सी ब्राउन ने लिखा है – जैसे आगस्टस ने रोम को ईटो से बना हुआ पाया और पत्थरों से बना हुआ छोड़ दिया उसी प्रकार शाहजहां ने अकबर के लाल पत्थर को संगमरमर में परिवर्तित कर दिया ।
- शाहजहां ने सर्वप्रथम अकबर के द्वारा निर्मित आगरा दुर्ग के दीवाने -ए-आम को जुड़वा कर संगमरमर का बनवाया ।
- शाहजहां ने पहली बार संगमरमर के पत्थर का प्रयोग इसी इमारत में किया ।
- इसके अलावा शाहजहां ने आगरा दुर्ग में संगमरमर की मोती मस्जिद बनवाई यह इस दुर्ग की सबसे सुंदर इमारत है ।
- शाहजहां ने दुर्ग में संगमरमर का मुसम्मन या शाहबुर्ज बनवाया ।
- औरंगजेब ने शाहजहां को इसी बुर्ज में बंदी बनाकर रखा ।
- इसके अलावा दुर्ग के परकोटे, नगीना मस्जिद का निर्माण करवाया ।
- शाहजहां की पुत्री जहांआरा ने आगरा की जामा मस्जिद बनवाई इसी को मस्जिद -ए – जहांनुमा कहते हैं ।
- दिल्ली की जामा मस्जिद का निर्माण शाहजहां के द्वारा करवाया गया ।
- 1638 में शाहजहां ने दिल्ली में शाहजहानाबाद नगर का निर्माण करवाया ।
- इसी ने हमिद अहमद की देखरेख में दिल्ली का लाल किला बनवाया था ।
- इसके दीवाने -ए-आम मैं बेबादल खा के द्वारा निर्मित तख्त ए ताऊस या मयूर सिंहासन रखा जाता था ।
- इसी में ही कोह-ए- नूर हीरा लगा हुआ था ।
- दीवाने खास की दीवार पर अमीर खुसरो की इस पंक्ति को लिखा गया" गर फिरदौस भर रुठन जमी जमीअस्त ।

अध्याय - 6

मृदा

- मिट्टी के अध्ययन को मृदा विज्ञान या पेडोलॉजी(pedology) कहा जाता है ।
- भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) द्वारा 1956 में संरचनात्मक मृदा और खनिज, मृदा के रंग व संसधानात्मक महत्त्व को ध्यान में रखते हुए भारत के मृदा को 8 भागों में विभाजित किया है/
- देश में मृदा अपरदन व उसके दुष्परिणामो पर नियंत्रण हेतु 1953 **में केन्द्रीय** मृदा सरक्षण बोर्ड का गठन किया गया ।
- मरुस्थल की समस्या के अध्ययन के लिए जोधपुर में central arid zone reserch institute(CAZRI) की स्थापना की गई है ।
- मृदा अपरदन को वनरोपण द्वारा रोका जा सकता है ।
- पश्चिमी राजस्थान की मिट्टी में कैल्शियम की अधिकता पायी जाती है ।
- भारत की मुद्राओं में सूक्ष्म तत्व जस्ता की सर्वाधिक कमी है ।
- जैव मृदा(organic soil) का रंग अम्लीय व फेरस आयरन के कारण नीला होता है ।

मृदा के प्रकार

1. जलोढ़ मृदा (तराई मृदा , बांगर मृदा, खादर मृदा)
2. काली मृदा
3. लाल और पीली मृदा
4. लैंटेराइट मृदा
5. पर्वतीय मृदा
6. मरुस्थलीय मृदा
7. लवणीय मृदा
8. पीट एवं जैव मृदा

- 1953 में केन्द्रीय मृदा संरक्षण बोर्ड का गठन किया गया ।
- मृदा में सबसे अधिक मात्रा में क्वार्टज खनिज पाया जाता हैं ।
- ऐपेटाइट नामक खनिज से मृदा को सबसे अधिक मात्रा में फास्फोरस प्राप्त होता हैं ।
- वनस्पति मिट्टी में ह्यूमस की मात्रा निर्धारित करती हैं ।
- मृदा में सामान्यतः जल 25 प्रतिशत होता हैं ।

1. जलोढ़ मिट्टी –

- यह मिट्टी भारत के लगभग 22% क्षेत्रफल पर पायी जाती हैं भारत का सम्पूर्ण उत्तरी मैदान, तटीय मैदान जलोढ़ मिट्टी का बना है ।
- इसमें गाद, मर्तिका व रेत (slit ,clay & sand) के कण पाये जाते हैं ।
- जलोढ़ मिट्टी को कछारी मृदा भी कहा जाता है ।
- इस मृदा का निर्माण नदियों द्वारा लाए गए तलछट के निक्षेपण से हुआ है / इस प्रकार यह एक अक्षेत्रीय मृदा है ।
- इस मृदा के तीन प्रकार होते है –1. बांगर (bangar) 2. खादर (khadar), 3. तराई
- पुराने जलोढ़ मिट्टी के मैदान **बांगर** कहलाते हैं । **बांगर** मृदा सतलज एवं गंगा के मैदान के उपरी भाग तथा नदियों के मध्यवर्ती भाग में पाई जाती है। यहाँ बाढ़ का पानी नही पहुँच पाता है । इस मृदा में चीका एवं बालू की मात्रा लगभग बराबर होती है।
- नयी जलोढ़ मिट्टी को **खादर** कहा जाता है । यह नवीन जलोढ़ मृदा है यहाँ प्रत्येक वर्ष बाढ़ का पानी पहुँचने से नवीनीकरण होता रहता है। यह मृदा खरीफ के फसल के लिए उपयुक्त होती है।
- यह नदियों द्वारा निर्मित मैदानी भाग में पंजाब से असम तक तथा नर्मदा, ताप्ती, महानदी, गोदावरी, कृष्णा व कावरी के तटवर्ती भागों में विस्तृत हैं ।
- यह मिट्टी उच्च भागों में अपरिपक्व तथा निम्न क्षेत्रों में परिपक्व हैं ।
- इस मिट्टी में पोटाश व चूना प्रचुर मात्रा में पाया जाता है, जबकि फास्फोरस, नाइट्रोजन व जीवांश का अभाव पाया जाता है ।
- यह उपजाऊ मृदा है उर्वरता के दृष्टिकोण से यह काफी अच्छी मानी जाती है । इसमें धान, गेहूं, मक्का, तिलहन, दलहन, आलू आदि फसलें उगायी जाती है।
- **तराई मृदा** में महीन कंकड़, रेत, चिकनी मृदा, छोटे – छोटे पत्थर आदि पाएँ जाते है।
- इस मृदा में चट्टानी कणों के होने से जल ग्रहण की क्षमता अधिक होती है ।
- इस मृदा में चूने की मात्रा अधिक होती हैं ।
- यह गन्ने की कृषि के लिए उपयुक्त होता है।

2. लाल - पीली मिट्टी :-

- यह देश के लगभग 6.1 लाख वर्ग कि.मी. (18.6%) भू-भाग में हैं ।
- इस मिट्टी का विकास आर्कियन ग्रेनाइट, नीस तथा कुड़प्पा एवं विंध्यन बेसिनों तथा धारवाड़ शैलों की अवसादी शैलो के उपर हुआ है ।
- इनका लाल रंग लौह ऑक्साइड़ की उपस्थिति के कारण हुआ है ।
- यह मिट्टी आंशिक रूप से अम्लीय प्रकार की होती हैं। इसमें लौहा, एल्युमीनियम तथा चूने का अंश कम होता हैं तथा जीवांश (ह्यूमस), नाइट्रोजन तथा फास्फोरस की कमी पाई जाती हैं ।

- म्यांमार अपने सुंदर बौद्ध मंदिरों के लिए प्रसिद्ध है।
- स्वर्णिम त्रिभुज के अंतर्गत लाओस थाईलैंड- आते हैं।

2. अफ्रीका महाद्वीप (Africa Continent)

- एशिया के बाद अफ्रीका विश्व का सबसे बड़ा दूसरा महाद्वीप है।
- अफ्रीका को एशिया से अलग करने वाली बड़ी नहर स्वेज है।
- अफ्रीका महाद्वीप में विषुवत वृत्त (Equator) बीच से गुजरता है, इसलिए इसका आधा भाग उत्तरी गोलार्ध में तथा आधा भाग दक्षिणी गोलार्ध में है।
- अफ्रीका महाद्वीप का कुल क्षेत्रफल 2,97,85000 वर्ग किमी है। इसमें 54 देश है।
- अफ्रीका महाद्वीप पृथ्वी के कुल क्षेत्रफल क्षेत्र का 20.4% है।
- अफ्रीका महाद्वीप को 1940 ई० से पूर्व अंध महाद्वीप dark continent) कहा गया।
- अफ्रीका महाद्वीप के मध्य से होकर विषुवत रेखा और सुदूर उत्तरी और दक्षिणी सीमा पर कर्क और मकर रेखाएँ गुजरती है अफ्रीका ही एकमात्र ऐसा महाद्वीप है जिसमें से कर्क और मकर रेखाएँ गुजरती है।
- अफ्रीका महाद्वीप का विस्तार 37° अक्षाश से 35° अक्षाश के मध्य एवं 18° पश्चिमी देशांतर 51° पूर्वी देशांतर के मध्य है।
- अफ्रीका महाद्वीप का सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश नाइजीरिया है।
- अफ्रीका महाद्वीप में विश्व का सबसे बड़ा मरुस्थल सहारा है।
- अफ्रीका महाद्वीप में विश्व की सबसे लंबी नदी नील है,जिसका उदगम स्थल विक्टोरिया झील है।
- अफ्रीका महाद्वीप में विश्व का सबसे गर्म स्थल अलअजीजियाह (लीबिया) स्थित है।
- अफ्रीका महाद्वीप में किम्बले खान (दक्षिणअफ्रीका)विश्व की सबसे बड़ी हीरे की खान है।
- अफ्रीका महाद्वीप का जोहान्सबर्ग नामक नगर विश्व के प्रमुख स्वर्ण उत्पादक नगरों में से एक है।
- अफ्रीका महाद्वीप का ट्रांसवाल क्षेत्र विश्व की प्रमुख सोना उत्पादक क्षेत्रों में से एक है।
- अफ्रीका महाद्वीप का जायरे (वर्तमान में कांगो) वर विश्व में सर्वाधिक हीरा उत्पादक देश है।
- अफ्रीका महाद्वीप का मिस्र देश विश्व में सर्वाधिक खजूर उत्पादक देश है।
- अफ्रीका महाद्वीप का आइवरी कोस्ट देश विश्व में सर्वाधिक कोको उत्पादक देश है।
- अफ्रीका महाद्वीप में सर्वाधिक कसाबा उत्पादित करने वाला देश नाइजीरिया है।
- अफ्रीका के कालाहारी मरुस्थल में शुतुरमुर्ग नामक चिड़िया मिलती है।
- अफ्रीका के ट्रांसवाल क्षेत्र में विश्व विख्यात जेब्रा और जिराफ नामक मिलते हैं।
- अफ्रीका के उष्ण घास के मैदान 'सवाना' और शीतोष्ण घास के मैदान बेल्डस कहलाते हैं।
- अफ्रीका में बुशमैन (कालाहारी), पिग्मी (कांगो बेसिन), बद्दू (सहारा मरुस्थल) में मिलने वाली प्रमुख आदिम जातियाँ हैं।
- अफ्रीका का सबसे लंबा रेल मार्ग केप काहिरा रेलमार्ग है, जो दक्षिण अफ्रीका गणराज्य के केपटाउन नगर से मिस्त्र के काहिरा नगर तक पहुंचता है।
- अफ्रीका के पर्वतों में एटलस ड्रेकन्सबर्ग प्रमुख हैं। यहां का ज्वालामुखी पर्वत किलीमंजारो है।
- अफ्रीका में अबीसीनिया का पठार व दक्षिण अफ्रीका का पठार स्थित है।
- अफ्रीका की प्रमुख नदियों में नील, कांगो, नाइजर, जेम्बेजी आदि हैं।
- अफ्रीका की प्रमुख झीलों में विक्टोरिया, एलबर्ट , कीबु, टांगानीका न्यासा, रुडोल्फ, वोल्टा चाड आदि है।
- अफ्रीका के प्रमुख बंदरगाहों में काहिरा, सिकंदरिया, त्रिपोली, अल्जीरियर्स, दार -ए -वीदा, डाकर, लागोस, लुआंडा, केपटाउन, पोर्ट- एलिजाबेथ, डरबन, मापूतो, बीरा, मोम्बासा, मुगदिशो, पोर्ट सूडान, मोसावा आदि प्रमुख है।
- अफ्रीका का सबसे बड़ा जलप्रपात विक्टोरिया जलप्रपात है।
- अफ्रीका में कांगो नदी विषुवत् रेखा को दो बार पार करती है।
- अफ्रीका में विश्व प्रसिद्ध पिरामिड तथा स्फिंक्स की मूर्ति काहिरा मिस्र के निकट है।
- अफ्रीका के मिस्र देश में स्वेज नहर है, जो लाल सागर से भूमध्य सागर से मिलाती है नहर का निर्माण 1869 ई० मे किया गया जिसके कारण यूरोप से भारत आने में 7000 किमी दूरी की बचत होती है। स्वेज नहर की लम्बाई 162 किमी है तथा इसके वास्तुकार का नाम फर्डिनेंड डी लेसप है।
- दक्षिण अफ्रीका के छः देशों अंगोला, बोत्सवाना, मोजांबिक, तंजानिया, जामिया तथा जिंबाब्वे) को सीमावर्ती राज्य (Frontline States) कहा जाता है।
- अफ्रीका में नील नदी पर बसा सबसे बड़ा शहर काहिरा है।
- अफ्रीका में शीशल नामक पौधे से जूट पैदा होता है।

- अफ्रीका में गोल्ड कोस्ट के नाम से घाना देश जाना जाता है।
- अफ्रीका में जंजीबार और पेंबा द्वीप विश्व में सबसे अधिक लौंग का उत्पादन करते हैं।
- अफ्रीका के कांगो को वनों का देश कहा जाता है।
- अफ्रीका विश्व में सबसे अधिक जनसंख्या वाला महाद्वीप है।
- अफ्रीका महाद्वीप में क्षेत्रफल की दृष्टि से सूडान सबसे बड़ा वह मोओटा छोटा देश है।
- अफ्रीका हॉर्न (horn) से संबंधित देश क्रमशः इथियोपिया, जिबुती और सोमालिया है।
- अफ्रीका में जनसंख्या की सर्वाधिक वार्षिक वृद्धि वाला देश लाइबेरिया तथा सबसे कम वार्षिक वृद्धि वाला देश गिनी है।
- अफ्रीका का सर्वाधिक नगरीकृत देश लीबिया है।
- अफ्रीका का सर्वाधिक साक्षरता वाला देश जिंबाब्वे है।
- अफ्रीका का सबसे अधिक ऊँचा बाँध अथवा अस्वान नील नदी पर बना हुआ है।
- अफ्रीका महाद्वीप में नाइजर नदी को 'पाम तेल की नदी' कहा जाता है।
- अफ्रीका महाद्वीप के मिस्र को एशिया और यूरोप महाद्वीप का जंक्शन कहा जाता है।
- अफ्रीका महाद्वीप के मेडागास्कर के मूल निवासी मालागासी कहलाते हैं।
- अफ्रीका महाद्वीप में तंजानिया देश सीसल हेम्प के लिए विश्व प्रसिद्ध है।
- अफ्रीका महाद्वीप में युगांडा के पश्चिम में फैली रुवेनजोरी पर्वतमाला को चांद के पर्वत के नाम से जाना जाता है।

3. उत्तरी अमेरिका महाद्वीपः

- उत्तरी अमेरिका विश्व का तीसरे बड़ा महाद्वीप है उसका क्षेत्रफल 2,42,55,000 वर्ग किमी है। उत्तरी अमेरिका मध्य, मध्य अमेरिका एवं कैरीबियन सागर क्षेत्र में कुल 29 देश हैं। इसकी खोज 1492 ई. में कोलंबस द्वारा की गई थी । अतः इसे नई दुनिया कहा जाता है।
- 100° पश्चिमी देशांतर रेखा इस महादेश के मध्य से गुजरती है।
- उत्तरी अमेरिका का नाम अमेरिगो वेशपुस्सी नामक काशी यात्री के नाम पर अमेरिका पड़ा।
- पनामा नहर उत्तरी अमेरिका तथा दक्षिणी अमेरिका को जोड़ती है, जिससे अंध तथा प्रशांत महासागरों के बीच जहाजों का यातायात सुगम हो गया है।
- उत्तरी अमेरिका के मूल निवासियों में रेड इंडियन, ए स्किमों पर इन्यूट आते हैं। एस्किमो का घर बर्फ का बना होता है जिसे इग्लू कहते हैं। वह रेंडियर कुत्ते का उपयोग स्लेज गाड़ी को खींचने में करते हैं। सील मछली की खाल और हड्डी से नाव बनाते हैं जिसे कयाक कहते हैं उनका हथियार हारपून कहलाता है।
- उत्तरी अमेरिका का उच्चतम पर्वत शिखर माउंट मैकिंले (6,194 मीटर) अलास्का में है।यह एक सक्रिय ज्वालामुखी है।
- उत्तरी अमेरिका के पूर्वी तट पर न्यूफाउंडलैंड के पश्चिमी तटीय भाग को ' ग्रैंड बैंक ' कहते हैं। यह मत्स्य पालन का प्रमुख केंद्र है।
- कनाडा की तट रेखा की लम्बाई विश्व में सबसे अधिक है। इसकी लम्बाई 2,02,080 किमी. है। पूर्व में अटलांटिक महासागर के साथ पश्चिम में प्रशांत महासागर के साथ एवं उत्तर में आर्कटिक महासागर के साथ इसकी तट रेखा है।
- तट रेखा की लम्बाई के मामले में दूसरा स्थान नार्वे (58,133 Km) का है।
- संयुक्त राज्य अमेरिका के दक्षिणी - पूर्वी तट (मेक्सिको की खाड़ी) पर चलने वाले चक्रवात हरिकेन और टोरनैडो कहलाते हैं।
- उत्तरी अमेरिका के शीतोष्ण घास के मैदान प्रेयरी कहलाते हैं।
- यू.एस.ए का डेट्रायट कार उद्योग का प्रमुख केंद्र है और एक्रॉन विश्व का सबसे बड़ा सिंथेटिक रबड़ और टायर बनाने का केंद्र है।
- कनाडा का मांट्रियल कागज उद्योग के लिए विश्व प्रसिद्ध है। कनाडा विश्व में सर्वाधिक कागज उत्पादित करने वाला देश है।
- उत्तरी अमेरिका में कनाडा यूरेनियम का सबसे बड़ा उत्पादक एवं निर्यातक देश है। विश्व में इसका दूसरा स्थान है। विश्व में प्रथम - कजाकिस्तान।
- संसार में सीसे और जस्ते का सबसे बड़ा भंडार ब्रिटिश कोलंबिया कनाडा में है। यहां की सुलिवान खान विश्व की सबसे बड़ी सीसा जस्ता- खान है। निर्माण प्रक्रिया में जस्ता और सीसा समृद्ध रूप में मिलते हैं - इसलिए इसे जुड़वाँ खरीद भी कहा जाता है।
- यू.एस.ए विश्व का सर्वाधिक उत्पादित करने वाला देश है।
- विश्व में सर्वाधिक सोयाबीन उत्पादित करने वाला देश संयुक्त राज्य अमेरिका है।
- क्यूबा द्वीप को गन्ने का प्रमुख उत्पादक होने के कारण चीनी का कटोरा कहा जाता है।
- जमैका केला -उत्पादन के लिए विश्व प्रसिद्ध है।
- मेक्सिको का तट कहवा की खेती के लिए उपयुक्त स्थल है।

करे, जिससे न्यायालय बंदी बनाये जाने के कारणों पर विचार कर सके ।

परमादेश

- यह तब जारी किए जाता है । जब कोई पधाधिकारी अपने सार्वजनिक कर्तव्य का निर्वाह नही करता हैं इस प्रकार के आज्ञापत्र के आधार पधाधिकारी को उसके कर्तव्य का पालन करने का आदेश जारी किया जाता है ।

प्रतिषेध-लेख

- प्रतिषेध संबंधी रिट सिर्फ न्यायिक एवं अर्थ - न्यायिक प्राधिकरणों के विरुद्ध हो जारी किये जा सकते हैं।

उत्प्रेषण

अर्थ (प्रमाणित होना था सूचना देना)
इसके द्वारा अधीनस्थ न्यायालयों को यह निर्देश दिया जाता है की वे अपने पास लम्बित मुकद्दमो के न्याय निर्णयन के लिए उसे वरिष्ठ न्यायालय को भेजे ।

अधिकार पृच्छा

अर्थ (प्राधिकृत या वारेंट के द्वारा)
जब कोई व्यक्ति ऐसे पदाधिकारी के रूप में कार्य करने लगता है ,जिसके रूप में कार्य करने का उसे वैधानिक अधिकार नहीं है ,तो न्यायालय अधिकार पृच्छा के आदेश द्वारा उस व्यक्ति से पूछता है की वह किस अधिकार से उस पद पर कार्य कर रहा है और जब तक वो इस बात का संतोषजनक उत्तर नहीं दे देता वह कार्य नहीं कर सकता है ।

अध्याय – 10

राष्ट्रपति एवं उपराष्ट्रपति

राष्ट्रपति पद अर्हताएँ (अनुच्छेद 58)

- भारत का नागरिक हो ।
- न्यूनतम आयु 35 वर्ष हो ।
- वह लोक सभा का सदस्य निर्वाचित होने की योग्यता रखता हो ।
- वह की लाभ के पद पर कार्यरत न हो ।
- वह पागल या दिवालिया न हो
- भारत में राष्ट्रपति का निर्वाचन अप्रत्यक्ष मतदान से (आनुपातिक प्रतिनिधित्व से एकल संक्रमणीय मत पद्धति द्वारा होता है ।

भारत के राष्ट्रपति के चुनाव में मतदान करने वाले सदस्य –

- राज्य सभा, लोक सभा और राज्यों व केन्द्रशासित प्रदेशों की विधान सभाओं के निर्वाचित सदस्य शामिल होते हैं ।
- भारत के राष्ट्रपति उम्मीदवार के प्रस्ताव का अनुसमर्थन कम से कम 50 निर्वाचको द्वारा होता हैं ।
- भारत में राष्ट्रपति का चुनाव एकल संक्रमणीय मत प्रणाली द्वारा होता है ।
- राष्ट्रपति के निर्वाचन में किसी राज्य का मुख्यमंत्री उस स्थिति में मतदान करने के लिए पात्र नही होगा यदि वह विधान मंडल में उच्च सदन का सदस्य हो।
- राज्यों की विधान सभायें राष्ट्रपति के निर्वाचक मंडल का तो भाग है परंतु वह उसके महाभियोग में भाग नही लेता है ।

राष्ट्रपति की पदावधि (Term of Office)

- **अनु. 56** के अनुसार, राष्ट्रपति की पदावधि, उसके पद धारण करने की तिथि से पांच वर्ष तक होती है ।
- संविधान का अतिक्रमण करने पर अनुच्छेद 61 में वर्णित महाभियोग की प्रक्रिया द्वारा उसे पदमुक्त किया जा सकता हैं ।
- अनु. 61(1) के तहत, महाभियोग हेतु एकमात्र आधार 'संविधान का अतिक्रमण' उल्लिखित है ।
- यदि राष्ट्रपति का पद उसकी मृत्यु, त्यागपत्र, निष्कासन अथवा किन्हीं अन्य कारणों से रिक्त हो तो उपराष्ट्रपति, नये राष्ट्रपति के निर्वाचित होने तक कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में कार्य करेगा ।
- यदि उपराष्ट्रपति, का पद रिक्त हों, तो भारत का मुख्य न्यायाधीश (और यदि यह भी पद रिक्त हो तो

उच्चतम न्यायालय का वरिष्ठतम न्यायाधीश) कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में कार्य करेगा।

- पद रिक्त होने की तिथि से छह महीने के भीतर नए राष्ट्रपति का चुनाव करवाया जाना आवश्यक हैं। वर्तमान या भूतपूर्व राष्ट्रपति, संविधान के अन्य उपबंधों के अधीन रहते हुए इस पद के लिए पुनर्निर्वाचन का पात्र होगा।
- पद- धारण करने से पूर्व राष्ट्रपति को एक निर्धारित प्रपत्र पर भारत के मुख्य न्यायाधीश अथवा उनकि अनुपस्थिति में उच्चतम न्यायालय के वरिष्ठतम न्यायाधीश के संम्मुख शपथ लेनी पड़ती है।
- अनुच्छेद-77 के अनुसार भारत सरकार की समस्त कार्यपालिका करवाई राष्ट्रपति के नाम से की हुई खी जाएगी। और अनु. 77 (3) के अनुसार राष्ट्रपति भारत सरकार का कार्य अधिक सुविधापूर्वक किये जाने के लिए और मंत्रिओं में उक्त कार्य के आवंटन के लिए नियम बनाएगा।

राष्ट्रपति से सम्बंधित महत्वपूर्ण अनुच्छेद
अनु.52 : भारत का राष्ट्रपति
अनु.53 : संघ की कार्यपालिका शक्ति
अनु.54 : राष्ट्रपति का निर्वाचक मंडल
अनु.55 : राष्ट्रपति के निर्वाचन की रीति
अनु.56 : राष्ट्रपति की पदावधि
अनु.57 : पुनर्निर्वाचन के लिए पात्रता
अनु.58 : राष्ट्रपति निर्वाचित होने के लिए अर्हताएँ
अनु.59 : राष्ट्रपति पद के लिए शर्ते
अनु.60 : राष्ट्रपति द्वारा शपथ या प्रतिज्ञान
अनु.61 : राष्ट्रपति पर महाभियोग चलाने की प्रक्रिया
अनु.62 : राष्ट्रपति का पद रिक्त होने की स्थिति में उसे भरने के लिए निर्वाचन करने का समय और आकस्मिक रिक्ति को भरने के लिए निर्वाचित व्यक्ति की पदावधि
अनु.72 : क्षमा आदि की और कुछ मामलों में दंडादेश के निलम्बन, परिहार या लघुकरण की राष्ट्रपति की शक्ति
अनु.73 : संघ की कार्यपालिका शक्ति का विस्तार

राष्ट्रपति निम्न दशाओं में पांच वर्ष से पहले भी पद त्याग सकता है।

- उपराष्ट्रपति को संबोधित अपने त्यागपत्र द्वारा यह त्यागपत्र उपराष्ट्रपति को संबोधित किया जायेगा जो इसकी सूचना लोक सभा अध्यक्ष को देगा। अनु. 56 (2)
- महाभियोग द्वारा हटाये जाने पर अनु 61 महाभियोग के लिए केवल एक ही आधार है, जो अनु. 61 (1) में उल्लेखित है वह है संविधान का अतिक्रमण।

राष्ट्रपति पर महाभियोग (अनु. 61) :-

- महाभियोग संसद मे संपन्न होने वाली एक अर्द्ध-न्यायिक प्रक्रिया है।
- राष्ट्रपति को 'संविधान का अतिक्रमण' करने पर उसके पद से महाभियोग प्रक्रिया द्वारा हटाया जा सकता है।
- राष्ट्रपति के विरुद्ध संविधान के अतिक्रमण का आरोप संसद के किसी भी सदन में प्रारंभ किया जा सकता हैं। एक सदन द्वारा इस प्रकार का आरोप लगाए जाने पर दूसरा सदन उस आरोप का अन्वेषण करेगा करवाएगा।
- संकल्प को प्रस्तावित करने की सूचना पर सदन की कुल सदस्य संख्या के कम से कम एक चौथाई सदस्यों के हस्ताक्षर होंगे। इस हेतु 14 दिनों की अग्रिम सूचना देना आवश्यक हैं। संकल्प उस सदन की कुल सदस्य संख्या के कम से कम दो तिहाई बहुमत से पारित किया जाना चाहिए।
- चूँकि संविधान राष्ट्रपति को हटाने का आधार और तरीका प्रदान करता है, अतः अनुच्छेद 56 और 61 की शर्तों के अनुरूप महाभियोग के अतिरिक्त उसे और किसी भी तरीके से नहीं हटाया जा सकता है।

अन्य आकस्मिकताओं में राष्ट्रपति के कृत्यों का निर्वाचन अनु. 70

- जब राष्ट्रपति एवं उपराष्ट्रपति दोनों का पद रिक्त हो तो ऐसी आकस्मिकताओं में अनु.-70 राष्ट्रपति के कृत्यों का निर्वहन का उपबन्ध करता है। इसके अनुसार संसद जैसा उचित समझे वैसा उपबंध कर सकती है। इसी उद्देश्य से
- संसद ने राष्ट्रपति उत्तराधिकार अधिनियम, 1969 ई. पारित किया। जो यह उपबंधित करता है की यदि उपराष्ट्रपति भी किसी कारणवश उपलब्ध नही है तो उच्चतम न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश या उसके नही रहने पर उसी न्यायालय का वरिष्टतम न्यायाधीश, जो उस समय उपलब्ध हो, राष्ट्रपति के कृत्यों को सम्पादित करेगा।
- राष्ट्रपति का मासिक वेतन 5 लाख रूपए है।
- राष्ट्रपति का वेतन आयकर से मुक्त होता है।
- राष्ट्रपति को निःशुल्क निवास-स्थान व संसद द्वारा स्वीकृत अन्य भत्ते प्राप्त होते हैं।
- राष्ट्रपति के कार्यकाल के दौरान उनके वेतन तथा भत्ते में किसी प्रकार की कमी नही की जा सकती है।

- उपराष्ट्रपति को राष्ट्रपति के रूप में कार्य करने की अवधि अधिकतम 6 महीने की होती है ।
- भारत का राष्ट्रपति अपना त्यागपत्र उपराष्ट्रपति को देता है ।
- **art-68** उपराष्ट्रपति के पदमुक्त होने तथा पुन : उपराष्ट्रपति के चुनाव / निर्वाचन से संबंधित है ।
- उपराष्ट्रपति को राज्यसभा के प्रभावी बहुमत से पारित और लोकसभा के साधरण बहुमत से अनुमोदित प्रस्ताव के द्वारा पदमुक्त किया जायेगा ।

भारत के उप राष्ट्रपति

क्र.स.	नाम	कार्यकाल
1.	डॉ. एस. राधाकृष्णन	1952–1962
2.	डॉ. जाकिर हुसैन	1962-1967
3.	वी. वी. गिरि	1967-1969
4.	गोपाल स्वरूप पाठक	1969-1974
5.	बी. डी. जत्ती	1974-1979
6.	न्यायमूर्ति मो.हिदायतुल्ला	1979-1984
7.	आर. वेंकटरमण	1984-1987
8.	डॉ. शंकर दयाल शर्मा	1987- 1992
9.	के. आर. नारायण	1992- 1997
10.	कृष्णकांत	1997- 2002
11.	भैरो सिंह शेखावत	2002-10.08.2007
12.	हामिद अंसारी	11.08.2007-11.08.2017
13.	एम. वेंकैया नायडू	11.08.2017- **-10 अगस्त 2022**
14.	जगदीप धनखड़	11.08.2022 से ....

- उपराष्ट्रपति बनने से पहले डॉ. एस. राधाकृष्णन सोवियत संघ में राजदूत थे ।
- राज्य सभा का सभापति उपराष्ट्रपति होता है ।
- भारत के उपराष्ट्रपति को पद से हटाने सम्बन्धी प्रस्ताव केवल राज्य सभा में लाया जा सकता है ।
- उपराष्ट्रपति का वेतन भारत भारत की संचित निधि पर भारित होता है ।

अध्याय – II
भारतीय संसद
(art. 79-123)

संघीय विधानमंडल (संसद)

- भारतीय संविधान के अनु. 79 के अनुसार संसद के तीन अंग होते है - राष्ट्रपति, राज्यसभा और लोकसभा
- भारतीय संसद की संप्रभुता न्यायिक समीक्षा से प्रतिबंधित है ।
- संसद में स्थगन प्रस्ताव (adjournment motion) लाने का उद्देश्य सार्वजनकि महत्व के अति आवश्यक मुद्दों पर बहस करना है ।

संसद से सम्बंधित अनुच्छेद

अनु.	सम्बंधित विषय – वस्तु
79	संसद का गठन
80	राज्य सभा की सरंचना
81	लोक सभा की सरंचना
82	प्रत्येक जनगणना के पश्चात पुनः समायोजन
83	संसद के सदनों की अवधि
84	संसद की सदस्यता के लिए अर्हता
85	संसद के सत्र सत्रावसान एवं विघटन
86	राष्ट्रपति का सदनों को सम्बोधित तथा उनको संदेश देने का अधिकार
87	राष्ट्रपति का विशेष सम्बोधन अभिभासण
88	सदनों के सम्बंध में मंत्रियों और महान्यायवादी के अधिकार
89	राज्य सभा का सभापति तथा उपसभापति
90	राज्य सभा के उपसभापति के पद की रिक्ति, त्याग तथा पद से हटाया जाना ।
91	सभापति के कर्तव्यों के निर्वहन अथवा सभापति के रूप में कार्य करने की उपसभापति अथवा अन्य व्यक्ति की शक्ति
92	जब राज्य सभा के सभापति अथवा उपसभापति को पद से हटाने का संकल्प विचाराधीन हो तब उसका पीठासीन न होना
93	लोक सभा का अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष

94	लोक सभा अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष पद की रिक्ति, त्यागपत्र तथा पद से हटाया जाना
95	लोक सभा उपाध्यक्ष अथवा किसी अन्य व्यक्ति का लोक सभा अध्यक्ष के कर्तव्यों के निर्वहन की शक्ति
96	जब लोक सभा अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष को पद से हटाने का संकल्प विचाराधीन हो तब उसका पीठासीन न होना।
97	सभापति व उपसभापति तथा अध्यक्ष व उपाध्यक्ष के वेतन-भत्ते
98	संसद का सचिवालय
99	सदस्यों द्वारा शपथ या प्रतिज्ञान
100	दोनों सदनों में मतदान, रिक्तियों के होते हुए भी सदनों की कार्य करने की शक्ति तथा गणपूर्ति
101	स्थानों का रिक्त होना
102	संसद की सदस्यता के लिए निरर्हताएं
103	सदस्यों की अयोग्यता से सम्बंधित प्रश्नों पर निर्णय
104	अनु. 99 के अंतर्गत शपथ लेने या प्रतिज्ञान करने से पहले अर्हत न होते अथवा निरर्हत किए जाने पर भी सदन में बैठने तथा मतदान करने पर दंड।

लोकसभा (art-81)

- लोकसभा को निम्न सदन / प्रथम सदन / अस्थाई सदन / लोकप्रिय सदन कहते हैं।
- प्रथम लोकसभा का गठन 17 अप्रैल, 1952 को हुआ था।
- अनच्छेद 81 तथा 331 लोकसभा के गठन से संबंधित है।
- लोकसभा में अधिकतम 552 सदस्य हो सकते हैं। इनमें से 530 सदस्य राज्यों से जबकि केंद्र शासित प्रदेशों से 20 सदस्य चुने जाते हैं जबकि 2 आंग्ल भारतीय सदस्य भारत के राष्ट्रपति द्वारा मनोनीत किए जाते हैं।
- लोकसभा की वर्तमान सदस्य संख्या 545 से इनमें से 530 सदस्य राज्यों से जबकि 13 सदस्य केंद्र शासित प्रदेशों से चुने जाते हैं जबकि 2 आंग्ल भारतीय सदस्य भारत के राष्ट्रपति द्वारा मनोनीत किए जाते हैं।
- 91वाँ संविधान संशोधन अधिनियम 2001 में प्रावधान किया गया है कि लोकसभा की अधिकतम सदस्य संख्या 552 सन् 2026 तक बनी रहेगी।

- लोकसभा का कार्यकाल अपनी प्रथम बैठक से अगले 5 वर्ष तक होती है।
- **लोकसभा का सदस्य बनने के लिए व्यक्ति में निम्नलिखित योग्यताएं होनी आवश्यक हैं:**
  - वह भारत का नागरिक हो।
  - उसकी आयु 25 वर्ष से कम न हो।
  - वह संघ सरकार तथा राज्य सरकार के अधीन किसी लाभ के पद पर न हो (सरकारी नौकरी में न हो)
  - वह पागल / दिवालिया न हो।
- लोकसभा - अध्यक्ष का कार्यकाल पाँच वर्ष होता है,
- किन्तु अपने पद से वह स्वेच्छा से त्यागपत्र दे सकता है अथवा अविश्वास प्रस्ताव द्वारा उसे हटाया जा सकता है।
- 61वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1989 के द्वारा यह व्यवस्था कर दी गई कि 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाला नागरिक लोकसभा या राज्य विधानसभा के सदस्यों को चुनने के लिए वयस्क माना जाएगा।
- लोकसभा विघटन की स्थिति में 6 मास से अधिक नहीं रह सकती।
- लोकसभा का गठन अपने प्रथम अधिवेशन की तिथि से पाँच वर्ष के लिए होता है।
- लेकिन प्रधानमंत्री की सलाह पर लोकसभा का विघटन राष्ट्रपति द्वारा 5 वर्ष के पहले भी किया जा सकता है।
- क्योंकि लोकसभा की दो बैठकों के बीच का समयान्तराल 6 मास से अधिक नहीं होना चाहिए।
- लोकसभा की अवधि एक बार में 1 वर्ष से अधिक नहीं बढ़ायी जा सकती है।
- आपात उद्घोषणा की समाप्ति के बाद 6 माह के अन्दर लोकसभा का सामान्य चुनाव कराकर उसका गठन आवश्यक है।
- लोकसभा का अधिवेशन 1 वर्ष में कम से कम 2 बार होना चाहिए
- अनुच्छेद 85 के तहत राष्ट्रपति को समय-समय पर संसद के प्रत्येक सदन, राज्यसभा एवं लोकसभा को आहुत करने, उनका सत्रावसान करने तथा लोकसभा का विघटन करने का अधिकार प्राप्त है।
- लोकसभा अध्यक्ष लोकसभा का प्रमुख पदाधिकारी होता है और लोकसभा की सभी कार्यवाहियों का संचालन करता है -
- लोकसभा अध्यक्ष का निर्वाचन लोकसभा के सदस्यों के द्वारा किया जाता है।
- लोकसभा अध्यक्ष के निर्वाचन की तिथि राष्ट्रपति निश्चित करता है।
- लोकसभा अध्यक्ष लोकसभा के सामान्य सदस्य के रूप में शपथ लेता है।

• भारत के प्रमुख खेल

राष्ट्रमंडल खेल

- राष्ट्रमंडल खेल की कल्पना सन् 1891 में एक अंग्रेज "जे. एस्ले कपूर" ने की थी।
- राष्ट्रमंडल खेलों की शुरुआत 1930 ई. में हेमिल्टन (बरमूडा) में हुई थी।
- राष्ट्रमंडल खेल का नाम ब्रिटिश साम्राज्य तथा सन् 1954 राष्ट्रमंडल खेल रखा गया।
- सन् 1908 के ओलम्पिक के बाद रिचर्ड कूम्बस नामक ऑस्ट्रेलियाई नागरिक के द्वारा उसके सुझाव को मंजूरी दे दी गई।
- 1934ई. में लंदन में होने वाले दूसरे राष्ट्रमंडल खेल में भारत ने पहली बार भाग लिया था।
- राष्ट्रमंडल खेल प्रत्येक चार वर्षों पर दो ग्रीष्मकालीन ओलम्पिक खेलों के बीच में होता है।
- राष्ट्रमंडल खेल कभी भी लगातार एक ही देश में नहीं होते हैं।
- राष्ट्रमंडल खेल में राष्ट्रमंडल के सदस्य देशों की टीम में भाग ले सकते हैं।

एशियाई खेल

- सन् 1947 में नई दिल्ली में एशियाई देशों के सम्मेलन में एशियाई देशों की अन्तर्राष्ट्रीय खेलों की स्पर्द्धा हर चार वर्ष पर आयोजित करने की योजना बनायी गई।
  - प्रो. जी.डी. सोढी को इस प्रस्ताव का श्रेय जाता है, जिनका उद्देश्य खेलों के माध्यम से एशियाई देशों को एक-साथ करना था।
  - एशियाई खेल संघ ने चमकते सूर्य को अपना प्रतीक चिह्न घोषित किया।
  - पहले एशियाई खेलों की प्रतियोगिता का उद्घाटन 4 मार्च, 1951 को नई दिल्ली में हुआ था।

क्रिकेट

- क्रिकेट खेल की उत्पत्ति दक्षिण-पूर्वी इंग्लैण्ड में हुई मानी जाती है।
- इंग्लैण्ड मेलबर्न क्रिकेट क्लब की स्थापना 1787 ई. में हुई।
- भारत में कलकत्ता क्रिकेट क्लब की स्थापना 1792 ई. में हुई।
- इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल की स्थापना इम्पीरियल कॉन्फ्रेंस के रूप में 1909 ई. में हुई थी, जिसे बाद में इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस नाम दिया गया।
- खिलाड़ियों की संख्या 11 होती है।
- **राष्ट्रीय खेल**- 1. इंग्लैण्ड, 2. ऑस्ट्रेलिया।
- **माप – 1.** पिच की लम्बाई 22 गज
- **2.** बॉल- 155.9 ग्राम से 163 ग्राम,
- **3.** बल्ला- लम्बाई 96.5 सेमी., चौड़ाई अधिकतम 10.8 सेमी.,
  4. पिच- 20.12 मीटर

○ **विश्व कप क्रिकेट -**

क्र. सं.	वर्ष	मेजबान देश	विजेता	उपविजेता
1.	1975	इंग्लैण्ड	वेस्टइंडीज	ऑस्ट्रेलिया
2.	1979	इंग्लैण्ड	वेस्टइंडीज	इंग्लैण्ड
3.	1983	इंग्लैण्ड	भारत	वेस्टइंडीज
4.	1987	भारत-पाकिस्तान	ऑस्ट्रेलिया	इंग्लैण्ड
5.	1992	ऑस्ट्रेलिया-न्यूजीलैण्ड	पाकिस्तान	इंग्लैण्ड
6.	1996	भारत-पाकिस्तान-श्रीलंका	श्रीलंका	ऑस्ट्रेलिया
7.	1999	इंग्लैण्ड	ऑस्ट्रेलिया	पाकिस्तान
8.	2003	दक्षिण अफ्रीका	ऑस्ट्रेलिया	भारत
9.	2007	वेस्टइंडीज	ऑस्ट्रेलिया	श्रीलंका

10.	2011	भारत-श्रीलंका-बांग्लादेश	भारत	श्रीलंका
11.	2015	न्यूजीलैण्ड - ऑस्ट्रेलिया	ऑस्ट्रेलिया	न्यूजीलैण्ड
12.	2019	इंग्लैण्ड	इंग्लैण्ड	न्यूजीलैण्ड

हॉकी

- ❖ हॉकी के वर्तमान स्वरूप का जन्म इंग्लैण्ड में 19वीं शताब्दी के मध्य में हुआ था |
- ❖ हॉकी क्लब की स्थापना 'ब्लैकहीथ' के नाम से पहले हुई थी, 1861 ई. में |
- ❖ हॉकी खेल के नियम विम्बल्डन हॉकी क्लब द्वारा बनाए गए, जिसे 1886 में हॉकी एसोसिएशन ने अपना लिया |
- ❖ हॉकी का पहला अन्तर्राष्ट्रीय मैच इंग्लैण्ड तथा आयरलैंड के बीच 1895 ई. में खेला गया |
- ❖ हॉकी को ओलम्पिक खेल में 1908 में शामिल किया गया |
- ❖ भारत में हॉकी का पहला क्लब 1885-86 में बना |
  - ❖ भारत ने पहला ओलम्पिक हॉकी मैच 1928 में खेला था |
  - ❖ खिलाड़ियों की संख्या 11 होती है |
  - ❖ **राष्ट्रीय खेल-** 1. भारत , 2. पाकिस्तान |
  - ❖ **माप-** 1. मैदान- 100 गज × 60 गज , 2. बॉल- 5.5 औंस से 5.75 औंस तक (भार) |

○ **विश्व कप हॉकी-**

क्र. सं.	**आयोजन वर्ष**	**आयोजन स्थल**	**विजेता**	**उपविजेता**
1.	1971	बार्सीलोना	पाकिस्तान	स्पेन
2.	1973	एम्सटर्डम	हॉलैण्ड	भारत
3.	1975	कुआलालम्पुर	भारत	पाकिस्तान
4.	1978	ब्यूनस आयर्स	पाकिस्तान	हॉलैण्ड
5.	1982	मुम्बई	पाकिस्तान	प. जर्मनी
6.	1986	लंदन	ऑस्ट्रेलिया	इंग्लैण्ड
7.	1990	लाहौर	हॉलैण्ड	पाकिस्तान
8.	1994	सिडनी	पाकिस्तान	हॉलैण्ड
9.	1998	यूट्रेक्ट	नीदरलैण्ड	स्पेन
10.	2002	कुआलालम्पुर	जर्मनी	ऑस्ट्रेलिया
11.	2006	जर्मनी	जर्मनी	ऑस्ट्रेलिया
12.	2010	नई दिल्ली	ऑस्ट्रेलिया	जर्मनी
13.	2014	द हेग	ऑस्ट्रेलिया	नीदरलैंड
14.	2018	भुवनेश्वर	बेल्जियम	नीदरलैंड
15.	2023	भुवनेश्वर और राउरकेला	-	-

फुटबॉल

- ❖ ब्रिटेन में फुटबॉल की शुरुआत रोमनों ने की थी |
- ❖ प्राचीन रोमनों ने फुटबॉल के खेल को अपनी सेना में शामिल किया था |
- ❖ फुटबॉल पहली सदी के आसपास चीन में खेला जाता था |
- ❖ फेडरेशन इंटरनेशनल डी फुटबॉल एसोसिएशन (फीफा) की स्थापना 1904 ई. में सात यूरोपीय देशों ने मिलकर की |
- ❖ 1846 में फुटबॉल खेल के नियमों को परिभाषित करने के लिए एक आदर्श संहिता इंग्लैण्ड में बनाई गई |
- ❖ फीफा का मुख्यालय स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख में है |
- ❖ फीफा प्रत्येक चार वर्षों में फुटबॉल के विश्व कप का आयोजन करवाती है |
- ❖ फुटबॉल खेल के नियम इंटरनेशनल फुटबॉल एसोसिएशन बोर्ड (आई.एफ.ए.बी.) बनाती है, जिसमें फीफा के सदस्य भी रहते हैं |
- ❖ **माप- 1.** मैदान का माप- 100 मीटर × 64 मीटर से 110 मीटर × 75 मीटर तक

  2. गेंद का वजन- 396 ग्राम से 453 ग्राम,

  3. गेंद का आंतरिक दाब- 60 ग्राम/सेमी² से 110 ग्राम/सेमी²

  4. गेंद की परिधि- 68 से 71 सेमी. |

• भारत का नया मंत्रिमंडल

1. भारत के नए उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ बने हैं, यह भारत के 14 वें उपराष्ट्रपति नियुक्त हुए हैं।
2. भारत के 50 वें मुख्य न्यायाधीश CJI धनंजय यशवंत चंद्रचूड़ बने हैं ।
3. भारत की पहली महिला आदिवासी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू बनी हैं । और यह भारत की 15 वीं राष्ट्रपति बनी है ।
4. भारत के वित्त मंत्री और कॉर्पोरेट मामलों के मंत्री निर्मला सीतारमण बनी हैं ।
5. भारत के कानून और न्याय मंत्री किरण रिजिजू हैं।
6. भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह हैं ।
7. भारत के विदेश मंत्री डॉ. सुब्रह्मण्यम जयशंकर हैं ।
8. भारत के जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत हैं ।
9. भारत के सूचना और प्रसारण मंत्री , युवा मामले और खेल मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर हैं ।
10. भारत के भारी उद्योग मंत्री महेन्द्र नाथ पाण्डेय हैं ।
11. भारत के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री रसायन और उर्वरक मंत्री मनसुख मंडाविया हैं ।
12. भारत के विद्युत् मंत्री और ऊर्जा मंत्री राज कुमार सिंह हैं ।
13. भारत के नए इस्पात मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया हैं (अतिरिक्त प्रभार)
14. भारत के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर हैं ।
15. भारत के गृह मंत्री और सहकारिता मंत्री अमित शाह हैं ।
16. भारत के महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति जुबिन ईरानी हैं ।
17. भारत के नए मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार बने हैं । यह भारत के 25 वें चुनाव आयुक्त बने हैं।
18. भारत के संसदीय कार्य मंत्री , कोयला मंत्री और खान मंत्री प्रल्हाद **जोशी** हैं ।
19. भारत के नए मत्स्य पालन , और डेयरी मंत्री पुरुषोत्तम रुपाला हैं ।
20. भारत के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री वीरेंद्र कुमार हैं ।
21. भारत की नई अल्पसंख्यक मामलों की मंत्री स्मृति जुबिन इरानी (अतिरिक्त प्रभार) हैं ।
22. भारत के रेल मंत्री , संचार मंत्री और इलेक्ट्रोनिक्स – सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव हैं ।
23. भारत के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन जयराम गडकरी हैं ।
24. भारत के शिक्षा मंत्री , कौशल विकास और उद्यमिता धर्मेन्द्र प्रधान हैं ।
25. भारत के वाणिज्य और उद्योग मंत्री, उपभोक्ता मामले खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री और कपड़ा मंत्री पियूष गोयल हैं ।
26. भारत के पर्यावरण , वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री और श्रम और रोजगार मंत्री भूपेन्द्र यादव हैं।
27. भारत के सूक्षम , लघु और मध्यम उद्यम मंत्री नारायण तातू राणे हैं ।
28. भारत के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री, और आवास और शहरी मामलों के मंत्री हरदीप सिंह पुरी हैं ।
29. भारत के नए नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया हैं ।
30. भारत के बंदरगाह , जहाजरानी और जलमार्ग , आयुष मंत्री सर्बानंद सोनोवाल हैं ।
31. भारत के ग्रामीण विकास मंत्री , और पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह हैं।
32. भारत के जनजातीय मामलों के मंत्री अर्जुन मुंडा हैं।
33. भारत के संस्कृति मंत्री , पर्यटन मंत्री , और पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास मंत्री जी. किशन रेड्डी हैं ।
34. भारत के खाद्य प्रसंस्करण , उद्योग मंत्री पशुपति कुमार पारस हैं ।
35. भारत के नए "चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (CDF अनिल चौहान हैं ।
36. भारत की नई लेखा महानियंत्रक (CGA) भारत दास हैं ।
37. भारत के नए "रक्षा सचिव (Defence Secretary) अरमाने गिरिधर हैं ।
38. सड़क और परिवहन मंत्रालय की नई सचिव अलका उपाध्याय हैं ।
39. भारत के नए इस्पात सचिव नागेंद्र नाथ सिन्हा बनेंगे ।
40. भारत के नए ग्रामीण विकास सचिव शैलेश कुमार सिंह बनेंगे ।
41. कोयला मंत्रालय के नए सचिव अमृत लाल मीणा बने हैं ।
42. बंदरगाह जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय के नए सचिव सुधांश पंत बने हैं ।

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम देखने के लिए क्लिक करें -

RAS PRE. - https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=1253s

Rajasthan CET Gradu. Level - https://youtu.be/gPqDNlc6UR0

Rajasthan CET 12th Level - https://youtu.be/oCa-CoTFu4A

RPSC EO / RO - https://youtu.be/b9PKjl4nSxE

VDO PRE. - https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856WI8&t=202s

Patwari - https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=2s

PTI 3rd grade - https://www.youtube.com/watch?v=iA_MemKKgEk&t=5s

SSC GD – 2021 - https://youtu.be/Zgzzf Jyt6vI

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्नों की संख्या
RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 प्रश्न आये
SSC GD 2021	16 नवम्बर	68 (100 में से)
SSC GD 2021	08 दिसम्बर	67 (100 में से)
RPSC EO/RO	14 मई (Ist Shift)	95 (120 में से)
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 (200 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (Ist शिफ्ट)	79 (150 में से)

RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 (150 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 (100 में से)
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 (160 में से)
U.P. SI 2021	21नवम्बर2021 (1st शिफ्ट)	89 (160 में से)
Raj. CET Graduation level	07 January 2023 (1st शिफ्ट)	96 (150 में से)
Raj. CET 12th level	04 February 2023 (1st शिफ्ट)	98 (150 में से)

& Many More Exams like UPSC, SSC, Bank Etc.

नोट्स खरीदने के लिए इन लिंक पर क्लिक करें

Whatsapp - https://wa.link/iny7y2

Online order - https://bit.ly/bihar-police-notes

Call करें - 9887809083